त्रिपुरी टाइम्स

11th ANNIVERSARY

www.tripuritimes.com

वर्ष 11 अंक 23

जबलपुर, बुधवार 18 फरवरी 2026

पृष्ठ संख्या : 8

मूल्य : 2 रुपए

तारिक रहमान बने बंगलादेश के नये प्रधानमंत्री, 49 मंत्रियों ने भी ली शपथ

तारिक रहमान बने बंगलादेश के नये प्रधानमंत्री, 49 मंत्रियों ने भी ली शपथ

अबू जफर मोहम्मद जाहिद हुसैन, डॉ. खलीलुर रहमान, अफरोजा खानम रीता और निताई रॉय चौधरी शामिल हैं। राज्य मंत्री के रूप में शपथ लेने वालों में एम राशिदुज्जमां मिल्लत, अनिंद्य इस्लाम अमित, मोहम्मद शरीफुल आलम, शमा ओबैद इस्लाम, सुल्तान सलाहुद्दीन टुकू, बैरिस्टर कैसर कमाल और फरजाना शरमीन शामिल हैं। इससे पहले ढाका के एयरबेस पर बंगलादेश विदेश मंत्रालय के सचिव डॉ. मोहम्मद नजरुल इस्लाम, बंगलादेश में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा और भारत में बंगलादेश के उच्चायुक्त मोहम्मद रियाज हमीदुल्ला ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि जुलाई 2025 में प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ विद्रोह के कारण सरकार के गिरने के बाद मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार के सलाहकार के तौर पर देश की बागडोर संभाल रहे थे।श्री रहमान गत दिसम्बर में 17 साल के निर्वासन के बाद स्वदेश लौटे थे। उनकी मां खालिदा जिया कई वर्षों तक देश की प्रधानमंत्री रहीं थीं। उनका 30 दिसम्बर 2025 को निधन हो गया था। श्री यूनुस की देखरेख में करीब आठ महीने चले शासन के बाद 12 फरवरी को आम चुनाव हुए, जिसमें बीएनपी ने 299 में से 209 सीटें जीतकर कर इतिहास रच दिया।

नई दिल्ली, एजेंसी। बंगलादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के प्रमुख तारिक रहमान ने मंगलवार को यहां प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ 49 अन्य सांसदों को मंत्री बनाया गया है। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने श्री रहमान और अन्य मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। श्री रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में भारत की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भाग लिया। उनके साथ विदेश सचिव विक्रम मिस्री भी थे। देश में 36 सालों के बाद कोई पुरुष देश का प्रधानमंत्री बना है। मंत्रिमंडल में 25 कैबिनेट मंत्री तथा 24 राज्य मंत्री शामिल किए गए हैं। कैबिनेट मंत्रियों में मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर, अमीर खुसरू महमूद चौधरी, सलाहुद्दीन अहमद, इकबाल हसन महमूद, मेजर (सेवानिवृत्त) हाफिज उद्दीन अहमद,

तवांग की बर्फबारी में फंसी गाड़ी तो किरेन रिजिजू धक्का लगाते दिखे, वीडियो हुआ वायरल

तवांग,एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में भारी बर्फबारी के बीच केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वे स्थानीय लोगों और कर्मचारियों के साथ मिलकर बर्फ में फंसी एक गाड़ी को धक्का देते नजर आ रहे हैं। मंत्री ने यह वीडियो अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट पर साझा किया, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है, कि तवांग क्षेत्र में बर्फबारी इतनी तेज है कि सड़क पर वाहन मुश्किल से आगे बढ़ पा रहे हैं। इसी दौरान एक वाहन बर्फ में फंस गया, जिसके बाद रिजिजू खुद गाड़ी से उतरकर लोगों के साथ उसे धक्का लगाने लगे। कुछ प्रयासों के बाद वाहन को आगे बढ़ाने में सफलता मिली। इस वीडियो को साझा करते हुए रिजिजू ने पहाड़ी क्षेत्रों में यात्रा करने वाले लोगों से सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि तवांग जैसे दुर्गम इलाकों में मौसम अचानक बदल सकता है, इसलिए हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना जरूरी है। उन्होंने यात्रियों से आवश्यक सामान और सुरक्षा उपायों के साथ ही सफर करने की सलाह दी। केंद्रीय मंत्री ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की भी सराहना की, जो लगातार बर्फ हटाने और सड़कों को चालू रखने में जुटा है। उन्होंने कहा कि विपरीत मौसम परिस्थितियों में बीआरओ की चौकसी और तत्परता सराहनीय है। तवांग क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से लगातार हिमपात हो रहा है, जिससे कई प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति बन गई है।

सीएम मान को घातक पोलोनियम देने का दावा, जिस अस्पताल में किया भर्ती उसे बम से उड़ाने की मिली धमकी

मोहाली के फोर्टिस अस्पताल और 16 स्कूलों को मिली है बम की धमकी, पुलिस-इंटेलिजेंस हाई अलर्ट पर

खुफिया एजेंसियां हाई अलर्ट पर आ गईं। अस्पताल परिसर को चारों ओर से घेर लिया गया है। पांच बम निरोधक दस्ते सक्रिय कर दिए गए हैं। सीएम सुरक्षा टीम ने अस्पताल क्षेत्र को अपने नियंत्रण में ले लिया है, जबकि गेट पर एंटी-रायट टीमें और आसपास की सड़कों पर मोहाली पुलिस तैनात कर दी गई है। मोहाली के एसपी दिलप्रीत सिंह ने मीडिया को बताया कि फिलहाल मुख्यमंत्री को किसी अन्य अस्पताल में शिफ्ट करने की योजना नहीं है। सीएम सुरक्षा और स्थानीय पुलिस पूरी तरह सतर्क है। फोर्टिस अस्पताल के साथ-साथ मोहाली के 16 स्कूलों को भी इसी तरह की धमकी मिली है, जिसके बाद एहतियातन छुट्टी कर दी गई।

मोहाली,एजेंसी। भगवंत मान के मोहाली स्थित फोर्टिस अस्पताल मोहाली में भर्ती होने के बीच सोमवार दोपहर 1:11 बजे अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी मिली। धमकी भरे ई-मेल में दावा किया गया है कि भाई दिलावर सिंह के वारिसों ने मुख्यमंत्री को घातक रेडियोधर्मी पदार्थ पोलोनियम से संक्रमित किया है। मेल में यह भी लिखा गया कि यदि वे बच गए तो उनका बेअंत जैसा हाल किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री रविवार को ब्लड प्रेशर बढ़ने पर अस्पताल में भर्ती हुए थे। सोमवार को डिस्चार्ज होने के बाद वे मोगा में आम आदमी पार्टी की नशा विरोधी रैली में शामिल हुए। वहां सांस लेने में दिक्कत होने पर उन्हें शाम करीब पांच बजे दोबारा मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया। अब अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। उल्लेखनीय है कि पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की 1995 में चंडीगढ़ सचिवालय में मानव बम हमले में हत्या कर दी गई थी। इसी संदर्भ का हवाला देते हुए मेल में गंभीर धमकी दी गई है कि अस्पताल से 'सीएम की लाश ही निकलेगी। धमकी मिलते ही पंजाब पुलिस और

सांसद समेत 300 हाउस अरेस्ट, कई जिलों में रोके गए कांग्रेसी

लखनऊ में कांग्रेस का विधानसभा घेराव बैरिकेडिंग पर चढ़े कार्यकर्ता हुई पुलिस से झड़प

पकड़ते नजर आए।

मनरेगा समेत अन्य मुद्दों को लेकर घेरा

दरअसल, अजय राय ने मनरेगा, शंकराचार्य और माता अहिल्याबाई होल्कर से जुड़े मुद्दों को लेकर विधानसभा घेराव का आह्वान किया था। इस समय विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है, जिसे देखते हुए प्रशासन पहले से ही अलर्ट मोड पर था। कांग्रेस कार्यालय के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया और आसपास के इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया। ट्रकों में भरकर पीएसी और आरएएफ के जवान मौके पर पहुंचे।

सांसद तनुज हाउस अरेस्ट

इधर, बाराबंकी से सांसद तनुज पुनिया समेत प्रदेशभर के 300 से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हाउस अरेस्ट कर लिया गया। ये सभी लखनऊ पहुंचने के लिए रवाना हुए थे, लेकिन पुलिस ने रास्ते में ही रोककर उन्हें वापस भेज दिया।

रायबरेली में पुलिस से नोंकझोंक

रायबरेली में कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव सुशील पासी की पुलिस अधिकारियों से नोकझोंक हुई। उन्होंने एक इंस्पेक्टर पर भाजपा के नाम पर गुंडई करने का आरोप लगाया। वहीं हरदोई में रेलवे स्टेशन पर कांग्रेस के आठ कार्यकर्ताओं को पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ा। राजधानी समेत कई जिलों में हुई इस कार्रवाई के बाद प्रदेश की सियासत गरमा गई है।

रूस है सबसे अधिक वन क्षेत्र वाला देश, भारत 9 वें नंबर पर

लंदन एजेंसी। क्या आपको पता है, दुनिया का अधिकांश वन क्षेत्र कुछ चुनिंदा देशों में केंद्रित है। हालिया वैश्विक रिपोर्ट्स के अनुसार, रूस दुनिया का सबसे अधिक वन क्षेत्र वाला देश है, जहां लगभग 832.6 मिलियन हेक्टेयर भूमि घने जंगलों से ढकी हुई है। यह वैश्विक वन क्षेत्र का 20 प्रतिशत से भी अधिक हिस्सा है। रूस के जंगल मुख्य रूप से साइबेरिया में फैले हैं, जिन्हें टैगा वन कहा जाता है। यहां लंबे समय तक बर्फबारी रहती है और जंगलों का बड़ा भाग सालभर बर्फ की चादर में ढका रहता है। इन वनों में साइबेरियाई बाघ और भूरे भालू जैसे दुर्लभ जीव पाए जाते हैं। दूसरे स्थान पर है ब्राजील, जो लगभग 486 मिलियन हेक्टेयर जंगलों का घर है। यहां स्थित अमेजन वर्षा वन दुनिया का सबसे बड़ा उष्णकटिबंधीय जंगल है, जिसे 'धरती के फेफड़े' के रूप में जाना जाता है। अमेजन लाखों प्रजातियों के पौधों और जानवरों का घर है और वैश्विक जैव विविधता का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। कनाडा लगभग 368.8 मिलियन हेक्टेयर वन क्षेत्र के साथ तीसरे स्थान पर है। यहां के विशाल बोरियल जंगल देश के लगभग 40 प्रतिशत हिस्से को ढकते हैं। न्यूफाउंडलैंड और लैब्राडोर से लेकर यूकॉन तक फैला यह क्षेत्र वन्य जीवन और वनस्पतियों की विविधता से भरपूर है। यहां मानव हस्तक्षेप अन्य देशों की तुलना में काफी कम है। चौथे स्थान पर है संयुक्त राज्य अमेरिका, जहां लगभग 308.9 मिलियन हेक्टेयर वन क्षेत्र मौजूद है। अलास्का के बोरियल वन, पश्चिमी क्षेत्रों के रेडवुड, एपलाचियन के पर्णपाती वन और हवाई के उष्णकटिबंधीय जंगल अमेरिका की वन विविधता को विशेष बनाते हैं। पांचवें स्थान पर आता है चीन, जिसका लगभग 227.2 मिलियन हेक्टेयर हिस्सा जंगलों से आच्छादित है। चीन ने पिछले दशक में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाए, जिसके चलते 2015 से 2025 के बीच हर साल औसतन 1.69 मिलियन हेक्टेयर नए जंगल जोड़े गए। भारत ने भी वैश्विक वन रैंकिंग में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। एफएओ 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक भारत दुनिया में नौवें स्थान पर है। यहां लगभग 72.7 मिलियन हेक्टेयर वन क्षेत्र फैला है हिमालय के शीतोष्ण वनों से लेकर सुंदरबन के मैंग्रोव और पश्चिमी घाट के वर्षावन इसकी प्राकृतिक विविधता को दर्शाते हैं।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय और यूएन एजेंडे में भारत का स्थायी योगदान बहुत अहम

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख गुतारेस ने की तारीफ, कहा- भारत एक बड़ी शक्ति बन गया

नई दिल्ली,एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र के एजेंडे में भारत का स्थायी योगदान बहुत अहम है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की वैश्विक स्तर पर बढ़ती और सशक्त होती भूमिका एक सकारात्मक मेगा ट्रेंड के रूप में उभर रही है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने ये टिप्पणियां शिखर सम्मेलन इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में भाग लेने के लिए नई दिल्ली रवाना होने से पहले कीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गुतारेस ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की गतिविधियों के सभी पहलुओं मसलन शांति और सुरक्षा, सतत विकास पर चर्चा में भारत एक अत्यंत अहम शक्ति बन गया है। मुझे भारत द्वारा आयोजित जी20 की अध्यक्षता याद है जहां बहुत अहम निर्णय लिए गए थे। उन्होंने कहा कि एक लोकतांत्रिक देश के रूप में मानवाधिकारों के मामले में भी वह अहम शक्ति बन गया है, वो भी एक ऐसी दुनिया में जहां दुर्भाग्य से हम दुनिया के कई हिस्सों में लोकतंत्र को संकट में देखते हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत की भूमिका से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि सबसे पहले हम संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा में भारत की उपस्थिति के लिए उसके प्रति बहुत आभारी हैं। वर्तमान में करीब 5000 भारतीय महिलाएं और पुरुष दुनिया भर में शांति रक्षा अभियानों में तैनात हैं। उन्होंने कहा कि शांति स्थापना में भारत के पहले पूर्ण महिला पुलिस दल पर भी प्रकाश डाला और उसे उल्लेखनीय करार दिया। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के रूप में गुतारेस का कार्यकाल इस साल समाप्त हो रहा है। उन्होंने बढ़ते संघर्षों और बढ़ती असमानताओं के बीच दुनिया में उभर रहे कुछ सकारात्मक मेगा ट्रेंड पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मेरा संदेश यह है कि चिंता करने के कई कारण हैं। हमने देखा है कि संघर्ष बढ़ रहे हैं, अन्याय और असमानताएं बढ़ रही हैं और दुनिया में गरीबी और भूख की समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक गुतारेस ने इस बात पर जोर दिया कि सबसे अहम मेगा ट्रेंड में एक भारत जैसे देशों और अर्थव्यवस्थाओं की भूमिका से संबंधित है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि विकसित देशों का समूह-जी7 और इसी तरह के अन्य देशों की वैश्विक अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी हर दिन कम होती जा रही है, जबकि उभरती अर्थव्यवस्थाएं, जिनमें भारत एक प्रमुख स्तंभ है, विश्व की अर्थव्यवस्था में लगातार अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रही हैं।। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया प्रतिदिन जारी है और यही मेगा ट्रेंड समय के साथ ऐसी विश्व व्यवस्था के निर्माण में योगदान देगा, जहां न्याय, समानता और शांति के लिए अधिक अनुकूल परिस्थितियां उपलब्ध होंगी।

तख्तापलट के बाद गठित यूनुस सरकार के 18 मंत्रियों की संपत्ति में हुआ इजाफा

ढाका,एजेंसी। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद गठित मोहम्मद यूनुस सरकार के मंत्रियों की संपत्ति में उछाल आया है। सरकार के मुखिया यूनुस की संपत्ति में एक साल में करीब 11 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यूनुस की संपत्ति अब कुल साढ़े 12 करोड़ रुपए हो गई है, इसमें करीब एक करोड़ 30 लाख रुपए का उछाल आया है। अंतरिम सरकार के टॉप 4 मंत्रियों में सबसे ज्यादा संपत्ति की वृद्धि यूनुस की हुई है। दूसरे नंबर पर आवास मंत्री अदिलुर रहमान की संपत्ति में 1 करोड़ 23 लाख रुपए की वृद्धि हुई। यूनुस के 21 में से 18 मंत्रियों की संपत्ति बढ़ी है। सूत्रों के मुताबिक नए पीएम तारिक रहमान अंतरिम सरकार के मंत्रियों की संपत्ति में इजाफे की जांच के लिए कमेटी गठित कर सकते हैं। इस सब के बीच यूनुस अब फिर से पेरिस में बसने की तैयारी में हैं। बता दें यूनुस नोबेल अवॉर्ड विजेता हैं। बांग्लादेश में माइक्रो फाइनेंस के क्षेत्र में बड़ा नाम यूनुस का शेख हसीना सरकार के दौरान भ्रष्टाचार के मामले दर्ज हुए थे, लेकिन यूनुस ने अपनी सरकार बनने पर केस वापस करा लिए थे। तारिक रहमान की जीत के साथ ही यूनुस सरकार में आईटी मंत्री रहे फैज अहमद तैयब नीदरलैंड्स लौट गए हैं। फैज के कार्यकाल के दौरान आईटी सेक्टर में उनके द्वारा विदेशी कंपनियों के पक्ष में दिए गए कुछ फैसलों को लेकर आपत्तियां भी आई थीं। उन पर हाई-कैपेसिटी इक्विपमेंट खरीद के लिए कुछ कंपनियों को टेंडर जारी करने के भी आरोप हैं।

एपस्टीन फाइल्स से खुलासा, एपस्टीन की प्रेमिका करीना शुलियाक का सच आया सामने

इमिग्रेशन की खामियों का फायदा उठाकर जेफ्री ने विदेशी महिलाओं को अपने जाल में फंसाया

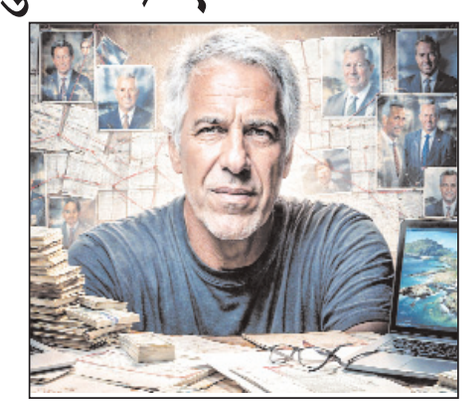

वाशिंगटन,एजेंसी। यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन की मौत के सालों बाद भी उसके गुनाहों की कहानियां दुनिया को झकझोर रही हैं। हाल ही में अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जारी दस्तावेजों में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं कि एपस्टीन ने अमेरिकी इमिग्रेशन सिस्टम की खामियों का फायदा उठाकर कई विदेशी महिलाओं को अपने जाल में फंसाया। एपस्टीन ने इन महिलाओं को अमेरिका में टिकाए रखने के लिए फर्जी शादियों, स्टूडेंट वीजा और कोलंबिया यूनिवर्सिटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में दाखिले का सहारा लिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस पूरे खेल का सबसे प्रमुख चेहरा एपस्टीन की प्रेमिका करीना शुलियाक बनकर उभरी है। 2013 में शुलियाक अपने वीजा स्टेटस को लेकर बेहद तनाव में थी। इसके समाधान के लिए एपस्टीन ने एक ऐसी साजिश रची जिसने कानूनी विशेषज्ञों को भी हैरान कर दिया। शुलियाक ने एक अमेरिकी नागरिक जेनिफर से शादी की। दिलचस्प बात यह है कि जेनिफर पहले से ही एपस्टीन के नेटवर्क का हिस्सा थी। इस शादी के बाद शुलियाक को ग्रीन कार्ड मिला और 2018 में वह अमेरिकी नागरिक बन गई। नागरिकता मिलते ही उसने जेनिफर को तलाक दे दिया। यह पूरी शादी केवल कागजों पर इमिग्रेशन अधिकारियों को धोखा देने के लिए की गई थी। दस्तावेजों से पता चलता है कि एपस्टीन ने शुलियाक को कोलंबिया यूनिवर्सिटी के डेंटल स्कूल में ट्रांसफर छात्र के रूप में दाखिला दिलाने के लिए अपने रसूख का इस्तेमाल किया। बेलारूस से आई शुलियाक के पास कोई डिग्री नहीं थी, फिर भी उसे प्रवेश मिल गया। जब उसके वीजा स्टेटस में दिक्कत आई, तो यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने उसे ईमेल कर आश्वासन दिया कि 'सब कुछ ठीक है। एपस्टीन ने पर्दे के पीछे से बड़े वकीलों और रसूखदार लोगों को ईमेल लिखकर शुलियाक के स्टूडेंट वीजा को बहाल करने के लिए दबाव बनाया। रिपोर्ट के मुताबिक इन फाइलों में कई हाई-प्रोफाइल नाम भी सामने आए हैं। एपस्टीन ने शुलियाक के वीजा के लिए ब्रिटिश निवेशक इयान ऑस्बोर्न से संपर्क किया था। ऑस्बोर्न ने दावा किया था कि उसके पास ऐसे वकील हैं जिनके संबंध इमिग्रेशन एंड नेचुरलाइजेशन सर्विस के उच्चतम स्तर तक हैं। ईमेल में ओबामा प्रशासन के पूर्व व्हाइट हाउस काउंसिल ग्रेग क्रेग और वर्तमान होमलैंड सुरक्षा सचिव अली मयोरकास के नामों का भी जिक्र मिला है। हालांकि, मयोरकास या क्रेग की इस मामले में किसी प्रत्यक्ष संलिप्तता के प्रमाण नहीं मिले हैं, लेकिन यह साफ है कि एपस्टीन इन बड़े नामों का इस्तेमाल अपने रास्ते साफ करने के लिए कर रहा था। ये खुलासे बताते हैं कि कैसे एक अपराधी ने पैसे और रसूख के दम पर दुनिया के सबसे सख्त माने जाने वाले इमिग्रेशन सिस्टम को खिलौना बना दिया था। फर्जी शादियां और शैक्षणिक दाखिले उस बड़े नेटवर्क का हिस्सा थे, जिसके जरिए एपस्टीन महिलाओं का शोषण करता था। ऑस्बोर्न जैसे कई लोगों ने अब एपस्टीन से किसी भी जुड़ाव पर खेद जताया है, लेकिन ये फाइलें आज भी अमेरिकी प्रशासन के लिए एक चुनौती बनी हुई हैं।

महंगाई के खिलाफ महिला कांग्रेस का भोपाल में प्रदर्शन

सिलेंडर-चूल्हा लेकर पहुंचीं महिलाएं, थाली बजाकर सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

भोपाल। विधानसभा सत्र के दौरान महिला कांग्रेस ने मंगलवार को भोपाल में महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन किया। महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी सेठिया के नेतृत्व में महिला कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के बाहर बैठकर थाली बजाई और रोटियां बेलीं। कार्यकताओं ने खाली कड़ाही, चकला, बेलन और गैस सिलेंडर लेकर यह संदेश दिया कि महंगाई के कारण महिलाएं परेशान हैं। हालत यह है कि रसोई का बजट गड़बड़ा गया है। दालें, अनाज, तेल सहित अन्य खाद्य सामग्री महंगी हो गई है। गरीब लोग गैस सिलेंडर नहीं भरवा पा रहे हैं। **प्रदर्शन को नाम दिया रसोई संसद :** महिला कांग्रेस ने अपने प्रदर्शन को रसोई सांसद नाम दिया। महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी ने कहा कल यानी 18 फरवरी को आने वाले बजट में यदि महंगाई से राहत नहीं मिली, तो हम 19 फरवरी को वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के बंगले का घेराव करेंगे। **गरीबों को जंगल से लाना पड़ रहीं लकड़ियां :** रीना बोरासी ने कहा कि मध्य प्रदेश में मंत्रालय के सामने उज्ज्वला योजना की ऐसी स्थिति है कि आदिवासियों के छोटे-छोटे बच्चों को खाना पकाने के लिए जंगल से लड़कियां सिर पर ढोकर लानी पड़ रही हैं, तब उनके घर का चूल्हा जलता है। मध्य प्रदेश में 16 लाख हितग्राही ऐसे हैं, जो योजना में अपना एक सिलेंडर भी नहीं भरवा पाए। **400 रुपए में दें गैस सिलेंडर :** महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता रूपाली शर्मा ने कहा हम महिलाएं महंगाई के कारण इतने परेशान हैं कि घर का चूल्हा नहीं जला पा रहे। हमारी सरकार से एक ही मांग है कि आप गैस का सिलेंडर ?400 का कर दो। पहले यही बीजेपी वाले कांग्रेस को खूब कोसते थे, लेकिन कांग्रेस के जमाने में ?400 में सिलेंडर मिलता था। आप तो वही ?400 का सिलेंडर कर दो।

म.प्र. ने प्रस्तुत किया संतुलित विकास का आदर्श उदाहरण : उप मुख्यमंत्री देवड़ा

जीडीपी में 11.14 प्रतिशत वृद्धि, प्रति व्यक्ति आय बढ़कर हुई 1,69,050 रुपए

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि मध्यप्रदेश ने दूरदर्शी आर्थिक नीतियों के साथ संतुलित और समावेशी विकास का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 में प्रस्तुत आँकड़ों से जाहिर है कि मध्यप्रदेश योजनाबद्ध, संतुलित और परिणामोन्मुख विकास पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। श्री देवडा ने कहा कि मध्यप्रदेश का विकास योजनाबद्ध, संतुलित और समावेशी रणनीति पर आधारित है। कृषि से उद्योग, सेवा से सामाजिक क्षेत्र और वित्तीय अनुशासन से सुशासन तक प्रत्येक क्षेत्र में निरंतर प्रगति हुई है।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत को विश्व की मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने मध्यप्रदेश पूरी क्षमता के साथ तैयार है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने आर्थिक समृद्धि के जो कदम उठाये हैं, उनके परिणाम मिलना शुरू हो गये हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने मंगलवार को विधानसभा में प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्ष 2025-26 अग्रिम अनुमान में राज्य का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (ऋॠउद्ध) प्रचलित भाव पर 16,69,750 करोड़ रुपए आँका गया है, जो वर्ष 2024-25 के 15,02,428 करोड़ रुपये की तुलना में 11.14 प्रतिशत वृद्धि दशार्ता है। इसी प्रकार स्थिर (2011-12) भाव पर जीएसडीपी 7,81,911 करोड़ रुपए अनुमानित है, जो 8.04 प्रतिशत की वास्तविक वृद्धि को प्रतिबिंबित करता है। उन्होने कहा कि आर्थिक विस्तार केवल मूल्य वृद्धि का परिणाम नहीं, बल्कि वास्तविक उत्पादन और गतिविधियों में वृद्धि का परिणाम है।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि राज्य में प्रति व्यक्ति आय में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2011-12 में प्रचलित भाव पर 38,497 रुपए रही प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2025-26 में बढ़कर 1,69,050 रुपए हो गई है। स्थिर (2011-12) भाव पर यही आय 76,971 रुपए तक पहुँच गई है। उन्होंने कहा कि यह आय स्तर में सुधार का संकेत है, जो जीवन की गुणवत्ता में सकारात्मक परिवर्तन को रेखांकित करता है। श्री देवड़ा ने वर्ष 2025-26 में प्रचलित भाव पर सकल राज्य मूल्य वर्धन (जीएसवीए) में प्राथमिक क्षेत्र का योगदान 43.09 प्रतिशत, द्वितीयक क्षेत्र का 19.79 प्रतिशत तथा तृतीयक क्षेत्र का 37.12 प्रतिशत रहा। स्थिर भाव पर यह संरचना क्रमशः 33.54 प्रतिशत, 26.18 प्रतिशत और 40.28 प्रतिशत रही। इससे जाहिर है कि कृषि आधारित आधार को मजबूती देते हुए राज्य की अर्थव्यवस्था में उद्योग और सेवा क्षेत्रों में भी संतुलित विस्तार हुआ है।

प्राथमिक क्षेत्र में वर्ष 2025-26 में कुल सकल राज्य मूल्य वर्धन 6,79,817 करोड़ रुपए रहा, जो पिछले वर्ष के 6,33,532 करोड़ रुपए की तुलना में 7.31 प्रतिशत वृद्धि दशार्ता है। इस क्षेत्र में फसलें 30.17 प्रतिशत भागीदारी के साथ प्रमुख घटक रहीं। पशुधन, वानिकी, मत्स्य एवं जलीय कृषि तथा खनन एवं उत्खनन का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कृषि एवं ग्रामीण विकास के मोर्चे पर वर्ष 2024-25 में कुल फसल उत्पादन में 7.66 प्रतिशत तथा खाद्यान्न उत्पादन में 14.68 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। उद्यानिकी क्षेत्रफल 28.39 लाख हेक्टेयर रहा और दुग्ध उत्पादन 225.95 लाख टन तक पहुँचा। गांवों की समृद्धि के लिए 72,975 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों का निर्माण तथा 40.82 लाख ग्रामीण आवासों के बनने से ग्रामीण आधार को मजबूती मिली है।

द्वितीयक क्षेत्र का कुल सकल राज्य मूल्य वर्धन- ऋॠअ वर्ष 2025-26 में 3,12,350 करोड़ रुपए रहा, जो 9.93 प्रतिशत की वृद्धि को दशार्ता है। निर्माण, विनिर्माण तथा विद्युत, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य उपयोगी सेवाओं का प्रमुख योगदान रहा। उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास के अंतर्गत 1,028 इकाइयों को 6,125 एकड़ भूमि आवंटित की गई, जिससे ?1.17 लाख करोड़ के प्रस्तावित निवेश और लगभग 1.7 लाख रोजगार अवसरों का मार्ग प्रशस्त हुआ। वर्ष 2024-25 में एमएसएमई सहायता 2,162 करोड़ रुपये रही। राज्य में 1,723 स्टार्टअप और 103 इनक्यूबेशन केंद्र सक्रिय हैं, जबकि सीएसआर व्यय 600.47 करोड़ रुपए दर्ज किया गया।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि तृतीयक क्षेत्र ने सर्वाधिक तेज गति से वृद्धि की है। वर्ष 2025-26 में इसका कुल ऋॠअ 5,85,588 करोड़ रुपए रहा, जो 15.80 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है। व्यापार, मरम्मत, होटल एवं रेस्टोरेंट, वित्तीय सेवाएँ, रियल एस्टेट, लोक प्रशासन तथा अन्य सेवाओं का प्रमुख योगदान रहा है। पर्यटन क्षेत्र में 13.18 करोड़ पर्यटकों का आना यह बताता है कि इस क्षेत्र में गति आई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025-26 में 618 करोड़ रुपए राजस्व आधिक्य अनुमानित कर राजस्व में 13.57 प्रतिशत वृद्धि तथा ऋण-ऋॠउद्ध अनुपात 31.3 प्रतिशत रहना यह दशार्ता है कि मध्यप्रदेश के वित्तीय अनुशासन में निरंतर सुधार हुआ है।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि नगरीय विकास के अंतर्गत अमृत 2.0 में 4,065 करोड़ रुपये का आवंटन और 1,134 परियोजनाओं की स्वीकृति दी गई। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत 8.75 लाख आवास पूर्ण हुए तथा स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में राज्य को 8 राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए। स्वास्थ्य क्षेत्र में कुल व्यय 34,112 करोड़ रुपये (ऋॠउद्ध का 3 प्रतिशत) रहा। नवंबर 2025 तक 4.42 करोड़ आयुष्मान कार्ड जारी किए गए और मातृ मृत्यु दर 379 (2001-03) से घटकर 142 (2021-23) प्रति लाख जीवित जन्म हो गई।

शिक्षा एवं कौशल विकास के क्षेत्र में वर्ष 2025-26 में कुल बजट का 10.37 प्रतिशत शिक्षा के लिए आवंटित किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9 प्रतिशत अधिक है। कक्षा 1-5 में ड्रॉपआउट दर शून्य रही और कक्षा 6-8 में यह घटकर 6.3 प्रतिशत रह गई। 45,668 विद्यार्थियों को 500 करोड़ रुपए की सहायता प्रदान की गई। तकनीकी शिक्षण संस्थानों की संख्या 1,625 से बढ़कर 2,070 हो गई है।

बैतूल में डंपर ने कार को मारी टक्कर

डब्ल्यूसीएल कर्मचारी की मौत; जीएम ऑफिस में क्लर्क थे, शोभापुर लौटते समय हुआ हादसा

बैतूल। बैतूल के सारणी थाना क्षेत्र के कोयलांचल पाथाखेड़ा में सोमवार देर रात हुए एक भीषण सड़क हादसे में डब्ल्यूसीएल कर्मचारी की जान चली गई। कालीमाई और राजीव चौक तिगड्डा के बीच एक तेज रफ्तार डंपर ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया और कर्मचारी की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, शोभापुर की क्लब कॉलोनी निवासी रवि उर्फ चंदन बिहारे (40) सोमवार रात करीब 10:30 से 11 बजे के बीच अपनी कार से घर लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे डंपर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही सारणी पुलिस मौके पर पहुंची और डंपर को जब्त कर लिया। **जीएम ऑफिस में थे क्लर्क :** मृतक चंदन बिहारे डब्ल्यूसीएल के जीएम ऑफिस में पर्सनल डिपार्टमेंट में लिपिक (क्लर्क) के पद पर तैनात थे। वे एचएमएस (ऌटर) संगठन की जीएम ऑफिस शाखा के अध्यक्ष भी थे। मिलनसार स्वभाव के कारण क्षेत्र में उनकी अच्छी पहचान थी, जिससे हादसे के बाद पाथाखेड़ा और शोभापुर में शोक की लहर दौड़ गई।

बीजेपी बोली-मुल्ला-मौलवियों से कसम कराओ, गाय कटनी बंद होगी

कांग्रेस विधायक आतिफ ने की राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग, मप्र विधानसभा में अनुपूरक बजट पेश

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने चालू वित्तीय वर्ष का तीसरा अनुपूरक बजट पेश किया। यह बजट 19 हजार 287 करोड़ 32 लाख रुपए का है, जिस पर 23 फरवरी को चर्चा होगी। इसके साथ ही सदन में आर्थिक सर्वेक्षण भी पेश किया गया। वहीं कांग्रेस विधायक आतिफ अकील ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने का संकल्प पेश किया। उन्होंने कहा कि हर धर्म का सम्मान होना चाहिए। गाय के अवशेषों के व्यापार पर रोक लगनी चाहिए। इस पर भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि मस्जिदों में मुल्ला-मौलवियों से कसम करवा दी जाए तो गाय कटनी बंद हो जाएगी।

इंदौर में दूषित पानी से मौतों पर कांग्रेस का प्रदर्शन : सत्र से पहले कांग्रेस विधायकों ने इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी से हुई मौतों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार गंदे पानी की बोतल

लेकर विधानसभा पहुंचे। उज्जैन के तराना से विधायक महेश परमार ने सरकार और प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया।

मोदियाबिंद बनाम मोतियाबिंद पर मजाकिया बहस : कांग्रेस विधायक भंवर सिंह शेखावत ने कहा कि मोदियाबिंद की कोई दवा नहीं है। इस पर रामेश्वर शर्मा ने चुटकी ली। उन्होंने कहा कि समय पर दवा ली होती तो वे बीजेपी में होते। बाद में स्पष्ट हुआ कि बात ह्लमोदियाबिंदह्व की थी, जिस पर सभापति ने टिप्पणी विलोपित करने के निर्देश दिए। भाजपा विधायक सीता शरण शर्मा ने कहा कि बीजेपी सरकार की योजनाओं के कारण 140 करोड़ जनता को ह्लमोदियाबिंदह्व होना स्वाभाविक है। उन्होंने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि पार्टी 206 से 6 सीटों पर सिमट सकती है।

छिंदवाड़ा कफ सिरप मामला सदन में उठा कांग्रेस विधायक सोहनलाल वाल्मीकि ने छिंदवाड़ा में कफ सिरप से बच्चों की मौत का मामला उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि अब तक किसी जिम्मेदार पर कार्रवाई नहीं हुई। साथ ही स्वास्थ्य, शिक्षा और सरकारी योजनाओं की स्थिति पर भी सवाल खड़े किए।

कांग्रेस विधायक सोहन बोले- राज्यपाल का अभिभाषण पूरा पढ़ा जाना चाहिए था कांग्रेस विधायक सोहनलाल वाल्मीकि ने कहा कि राज्यपाल का अभिभाषण पूरा पढ़ा जाना चाहिए था। उन्होंने यह भी कहा कि 2047 तक की कार्ययोजना स्पष्ट नहीं है और केवल उपलब्धियों का बखान किया जा रहा है।

रायसेन में डिप्टी रेंजर समेत तीन को गोली मारी

रायसेन। रायसेन में पूर्व कर्मचारी ने नर्सरी प्रभारी डिप्टी रेंजर सहित तीन लोगों को गोली मार दी। डिप्टी रेंजर राकेश शर्मा को पीठ में गोली लगी। महिला कर्मचारी सुमन बाई को भी पीठ में गोली लगी, जो शरीर के आर-पार हो गई। वहीं, एक अन्य कर्मचारी डालचंद नीचे लेट गया, गोली उसके ऊपर से निकल गई। फायरिंग करने के बाद आरोपी पूरन उर्फ गुड्डा लोधी मौके से भाग निकला। कुछ देर बाद उसका शव एक पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद पूरन के आत्महत्या करने की आशंका जताई है। पूरन करीब 5 साल पहले नर्सरी में मजदूरी करता था। ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर उसे हटा दिया गया था।

रायसेन में किसानों की नहीं बन रही फार्मर आईडी

रायसेन। रायसेन तहसील के ग्राम आमापानी (सूरई) सुनारी, ग्राम पंचायत पठारी के किसान मंगलवार को जनसुनवाई में अपनी समस्या लेकर पहुंचे। किसानों ने कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा से सीधे मुलाकात कर फार्मर आईडी ऑनलाइन बनवाने की मांग की। उनका कहना है कि फार्मर आईडी न होने के कारण वे कई सरकारी योजनाओं से वंचित हैं। **कलेक्टर से ऑनलाइन फार्मर आईडी बनाने की मांग :** किसानों ने बताया कि उन्होंने कई बार ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से फार्मर आईडी बनवाने का प्रयास किया, लेकिन हर बार किसी न किसी कारण से प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई।

आगामी 25 वर्ष में प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 22.50 लाख रुपए करने का है लक्ष्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विकसित भारत@2047 के लक्ष्य में प्रदेश की होगी अहम भूमिका, 1 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी का लक्ष्य : एमएसएमई औद्योगिक विकास की बैक बोन, मध्यप्रदेश कृषि क्षेत्र में है अग्रणी

मध्यप्रदेश नक्सलवाद से मुक्त होने वाला पहला राज्य, 31 मार्च की डेडलाइन से पहले हुआ मुक्त

मुख्यमंत्री डॉ. यादव अभ्युदय इंडस्ट्री लीडरशिप कॉन्क्लेव 2026 में हुए शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। औद्योगिक निवेश प्राप्त करने, सोलर एनर्जी उत्पादन, कृषि उत्पादन सहित अनेक मामलों में मध्यप्रदेश, देश का अग्रणी राज्य है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत@2047 में मध्यप्रदेश की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। हमारी सरकार ने मध्यप्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए सभी क्षेत्रों के लिए 25 वर्षों का दृष्टिपत्र तैयार किया गया है। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय अभी 1 लाख 55 हजार रुपए है। अगले 25 साल में इसे 22 लाख 50 हजार करने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम कृषि क्षेत्र में लंबे समय से अग्रणी है, लेकिन एमएसएमई प्रदेश के औद्योगिक विकास की रीढ़ (बैक बोन) है। राज्य सरकार एमएसएमई और लघु-कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित 'अभ्युदय इंडस्ट्री लीडरशिप कॉन्क्लेव 2026' में एक निजी मीडिया संस्थान के संपादक श्री प्रफुल्ल केटकर के साथ चर्चा में यह विचार व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चर्चा के दौरान प्रदेश की प्रगति, औद्योगिक विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित प्रश्नों का बेबाकी से उत्तर दिया।

प्रदेश में लागू की 18 नई औद्योगिक नीतियों की विशेषताओं पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में औद्योगिक विकास बड़े शहरों के साथ छोटे शहरों तक भी पहुंचे, इसके लिए संभागीय स्तर पर अलग-अलग सेक्टर्स पर केंद्रित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित की गई हैं। माइनिंग, टेक्सटाइल, टूरिज्म सहित अनेक क्षेत्रों में विकास की अपार संभावनाएं हैं। कटनी और शहडोल में माइनिंग सेक्टर में निवेश के लिए देश के शीर्ष उद्योगपति आगे आए हैं। नर्मदापुरम के बाबई-मोहासा में इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट्स तैयार करने के लिए औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो रहा है, जहां उद्योग शुरू करने के लिए तेजी से निवेशक आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश का युवा रोजगार देने वाले बनें, इसलिए स्वरोजगार और युवा उद्यमियों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रोत्साहन दिया जा रहा है। प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को भी नई गति मिली है। होम-स्टे से पर्यटकों को सुविधा मिलने के साथ ग्रामीणों को रोजगार के अवसर भी मिल रहे हैं। यही कारण है कि प्रदेश में बेरोजगारी दर तेजी से घट रही है। अब मध्यप्रदेश मात्र 1 से डेढ़ प्रतिशत बेरोजगारी दर वाला राज्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में एमएसएमई सेक्टर को प्रोत्साहन देने के साथ ही रोजगार आधारित उद्योग स्थापित करने पर निवेशकों को विशेष अनुदान दिया जा रहा है।

कृषक कल्याण वर्ष में किसानों की समृद्धि का संकल्प मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की समृद्धि के लिए कृषि उत्पादन के साथ फूड प्रोसेसिंग और पशुपालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। कृषक कल्याण वर्ष में हमारा संकल्प है कि प्रदेश के किसान आत्मनिर्भर और समृद्ध हों। पशुपालन और दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए नई योजनाओं को लागू कर रहे हैं। राज्य सरकार ने प्रदेश में दूध उत्पादन 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा है। राज्य का सिंचाई रकबा तेजी से बढ़ रहा है। पिछले डेढ़ साल में ही 7.5 लाख हैक्टेयर सिंचाई का रकबा बढ़ा है, इसे 100 लाख हैक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। नर्मदा का जल क्षिप्रा नदी में पहुंचने से मालवा अंचल के किसानों को भी लाभ मिला है।

नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन में बन रहे आत्मनिर्भर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन में देश में तीसरे स्थान पर आ चुका है। उत्तर प्रदेश के साथ मिलकर मुरैना में सोलर एनर्जी का बड़ा प्रोजेक्ट स्थापित किया जा रहा है। दोनों राज्य 6-6 महीने इससे निर्मित बिजली का उपयोग करेंगे। किसानों को सोलर पंप देकर बिजली के मामले में आत्मनिर्भर बना रहे हैं। ग्रीनगो कंपनी ने आंध्र प्रदेश के बाद देश में दूसरा पंप स्टोरेज मंदसौर के गांधी सागर बांध में लगाया है, जिसे 2 साल की अल्प अवधि में पूर्ण किया गया है। मध्यप्रदेश पड़ौसी राज्यों के साथ बेहतर संबंध स्थापित करते हुए जल बंटवारे, नदी जोड़ो अभियान और नशे के खिलाफ अभियान चला रहा है।

प्रदेश के समग्र विकास को गति प्रदान करेगा बजट मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र की शुरूआत हो गई है। राज्य सरकार ने 5 साल में प्रदेश का बजट दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। आगामी 18 फरवरी को राज्य सरकार बजट पेश करेगी, जो प्रदेश के समग्र विकास को गति प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास के लिए शहरीकरण और औद्योगिकरण दोनों आवश्यक हैं। इंदौर और भोपाल में मेट्रोपोलिटन एरिया विकसित किए जा रहे हैं। सरकार ने पहले औद्योगिकरण पर जोर दिया, क्योंकि जब उद्योग स्थापित होंगे तो शहर भी विकास करते जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री श्री शाह के नेतृत्व में मध्यप्रदेश 31 मार्च की डेडलाइन से पहले नक्सलवाद से मुक्त होने वाला पहला राज्य बना है। इस उपलब्धि में हमारी हॉक फोर्स और पुलिस के जवानों की अहम भूमिका रही है। अब दोबारा नक्सलवाद प्रदेश की धरती पर न पनपे, इसके लिए समेकित रूप से विकास योजनाएं बनाकर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

युवाओं के कौशल उन्नयन पर विशेष जोर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि औद्योगिक गतिविधियों बढ़ने से भविष्य में हमें बड़े पैमाने पर कुशल कामगारों की आवश्यकता होगी। इसके लिए शिक्षा नीति 2020 लागू करने के बाद सरकार युवाओं के कौशल उन्नयन के लिए विशेष व्यवस्था कर रही है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस के सकारात्मक उपयोग और भावी चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार है। तकनीक को प्रोत्साहित करने के लिए इंजीनियरिंग कॉलेजों में आईटी सेंटर खोलने की शुरूआत हुई है। हम युवाओं को तकनीकी रूप से मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

संवाद कार्यक्रम में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप विशेष रूप से उपस्थित थे। भारत प्रकाशन के प्रबंध निदेशक श्री अरुण कुमार गोयल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जनगणना 2027 की तैयारी तेजः डिजिटल प्रणाली से होगा आंकड़ों का संकलन, प्रथम चरण का प्रशिक्षण संपन्न

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जिले में जनगणना 2027 की तैयारियों को लेकर प्रशासन ने व्यापक स्तर पर प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण राज्य स्तर से आए विशेषज्ञ द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम में सभी अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम), तहसीलदार तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में बताया गया कि वर्ष 1872 से प्रारंभ हुई जनगणना श्रृंखला में यह 16वीं तथा स्वतंत्रता के पश्चात 8वीं जनगणना होगी। इससे पूर्व वर्ष 2011 में जनगणना संपन्न हुई थी। जनगणना 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी। प्रथम चरण 1 मई से 30 मई 2026 तक चलेगा, जिसमें मकान सूचीकरण एवं भवनों की गणना की जाएगी। द्वितीय चरण फरवरी-मार्च 2027 में जनसंख्या की गणना का कार्य किया जाएगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जनगणना निर्धारित समय-सीमा में ही पूर्ण की जाती है, अतः इसमें किसी प्रकार का विस्तार संभव नहीं होगा।

डिजिटल माध्यम से संकलन

इस बार जनगणना में आधुनिक डिजिटल प्रणाली का उपयोग किया जाएगा। स्व-गणना पोर्टल (स्व-प्रविष्टि पोर्टल) तथा मोबाइल अनुप्रयोग (एचएलओ एप) के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया जाएगा। मकान सूचीकरण खंड सृजन वेब पोर्टल के जरिए खंडों का निर्माण किया जाएगा तथा जनगणना प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली के माध्यम से संपूर्ण कार्य की देखरेख होगी। मास्टर प्रशिक्षक ने बताया कि 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 के बीच नागरिक स्व-गणना पोर्टल के माध्यम से अपने परिवार की जानकारी स्वयं दर्ज कर सकेंगे। यह सुविधा मैदानी कार्य प्रारंभ होने से 15 दिन पूर्व तक उपलब्ध रहेगी।

अधिकारियों की भूमिका स्पष्ट

प्रशिक्षण में जिला स्तरीय अधिकारी, चार्ज अधिकारी, क्षेत्रीय प्रशिक्षक, मास्टर प्रशिक्षक, प्रगणक और पर्यवेक्षक की जिम्मेदारियों की विस्तार से जानकारी दी गई। नगरीय क्षेत्रों में मुख्य नगरपालिका अधिकारी को चार्ज अधिकारी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में तहसीलदार को चार्ज अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। विशेषज्ञ ने कहा कि जनगणना विश्व के सबसे बड़े प्रशासनिक कार्यों में से एक है। इसके माध्यम से प्राप्त आंकड़े जनसांख्यिकीय, आर्थिक एवं सामाजिक योजनाओं के निर्माण में आधार प्रदान करते हैं। इसलिए प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को सावधानी एवं गंभीरता के साथ कार्य करना आवश्यक है।

मिशन भावना से कार्य करने का आह्वान

कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को जनगणना कार्य को मिशन भावना से संपन्न करने के निर्देश दिए। प्रशिक्षण के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित कर उपस्थित अधिकारियों की शंकाओं का समाधान किया गया। प्रशासन का मानना है कि डिजिटल माध्यम से होने वाली यह जनगणना अधिक पारदर्शी, सटीक और प्रभावी सिद्ध होगी, जिससे विकास योजनाओं के लिए विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध हो सकेंगे।

महिला ध्यान विद्यापीठ का गौरवमयी स्वर्ण जयंती वर्ष

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मनमोहा, विभिन्न सामाजिक क्षेत्र की महिलाएं हुई शामिल

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

महर्षि महिला महाविद्यालय, नेपियर टाउन में महिला ध्यान विद्यापीठ के गौरवमयी स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसमें पूज्य गुरुदेव का श्रद्धापूर्वक पूजन में श्रीमती अनीता श्रीवास्तव इस स्वर्णिम उत्सव का हिस्सा बनी श्रीमती उषा गुप्ता, श्रीमती संगीता गुप्ता, श्रीमती सरिता चौकसे श्रीमती सुनयना जायसवाल ,श्रीमती मीना राय , श्रीमती शारदा राय, हरीश चौकसे, पर्व गुप्ता एवं अन्य महिलाएं एवं पुरुष इस कार्यक्रम का हिस्सा बनी गुरु कृपा प्राप्त की महिला ध्यान विद्यापीठ के इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में छात्रों द्वारा अपनी प्रस्तुति भी दी गई जिसमें श्रद्धा हल्दकर , प्रीति यादव, रितिका रजक ,साक्षी रैकवार शामिल रहे।

जनसुनवाई में पहुंचे 88 आवेदन, छात्रवृत्ति से लेकर अवैध प्लाटिंग तक की शिकायतें

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में आज शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर कुल 88 आवेदन प्रस्तुत किए। जनसुनवाई की अध्यक्षता अपर कलेक्टर श्री नाथूराम गोंड ने की। प्राप्त आवेदनों में 71 नए आवेदन शामिल थे, जबकि 17 आवेदन पूर्व में भी प्रस्तुत किए जा चुके मामलों से संबंधित थे। जनसुनवाई में आए अधिकांश आवेदन छात्रवृत्ति, अवैध प्लाटिंग, अवैध कब्जा, बीपीएल कार्ड, पात्रता पर्ची, आधार कार्ड बनवाने, नाली सफाई, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, अतिक्रमण, आर्थिक सहायता, आपसी विवाद, समग्र आईडी तथा नामांतरण की नकल से संबंधित रहे।

अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष का आगमन आज

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्य प्रदेश कॉंग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष शेख अलीम का आज शहर आगमन हो रहा हैं। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश सचिव एडवोकेट हाजी अयाज खान ने बताया की प्रदेश अध्यक्ष की दोपहर 12 बजे पैंटीनाका चौराहा में कॉंग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता संगठन के सभी सदस्यों एवं कार्यकताओं द्वारा आगवानी की जायेगी। तत्पश्चात वे सर्किट हाउस नं 2 जाएंगे। दोपहर 1 बजे हाईकोर्ट में सभी अधिवक्ताओं से डोर टू डोर मुलाकात करेंगे। दोपहर 2 बजे जोहर की नमाज पीएसएम की मस्जिद में पढ़ने के बाद जिला कोर्ट में सभी अधिवक्ताओं से भेंट करेंगे। सायं 4:00 बजे सभी अल्पसंख्यक के एवं कांग्रेस कमेटी के सभी साथियों से सर्किट हाउस नंबर 2 में मुलाकात करेंगे। तत्पश्चात 7 बजे वायुयान से इंदौर के लिए रवाना होंगे। स्वागत की अपील शहर अध्यक्ष अशरफ मंसूरी, दलवीर जस्सल, सुमन जैन, शाकिर कुरैशी, प्रदेश सचिव फैजान कुरैशी, एड. मंजू पिल्ले, एड. आसिफ मंसूरी, अल्बर्ट एंथोनी आदि ने की है।

छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती का भव्य आयोजन

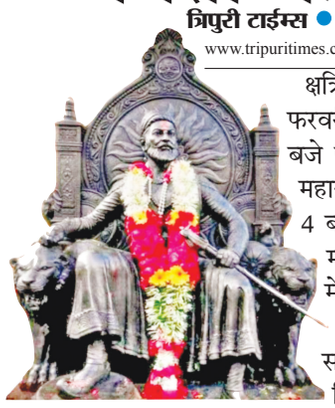

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

क्षत्रिय मराठा समाज जबलपुर के तत्वावधान में आगामी 19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के अवसर पर सुबह 9 बजे पूजन अर्चन पुष्पांजलि माल्यार्पण मिष्ठान वितरण , शिवाजी महाराज प्रतिमा स्थल मदन महल थाने के बाजू में होगी । सायं काल 4 बजे से छत्रपति शिवाजी महाराज उद्यान विजय नगर एस आर माल के पीछे मुख्य समारोह आयोजित किया गया है। महोत्सव में दीपोत्सव, पुष्पांजलि, सांस्कृतिक कार्यक्रम, उद्बोधन होंगे। क्षत्रिय मराठा समाज के नेतृत्व में सभी मराठी भाषी समाज के सहयोग से प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी 19 फरवरी 2026 को हिंदवी स्वराज संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई जा रही है आप सभी से पावन बेला में उत्साहपूर्वक, जोश एवं उल्लास के साथ उपस्थित होने का आग्रह प्रवीण सालुंके, श्रीमती प्रतिभा भापकर,उमेश सरफरे ,तरुण सोनोने,संतोष सोनोने,भास्कर राव काकडे,अनिरुद्ध जाधव,राजू सपकाळ,रोशन दादा वाकुडकर,प्रदीप तिगाडे .अजय सोनोने.श्रीकांत देशपांडे.आशीष बावसकर.सुनील बनकर .श्रीमती सुरेखा बनकर.सुनीलदत्त सोनोने. शेखर शिवराम जी सवडे,श्रीमती निर्मला ताई हांडे श्रीमती शोभा ताई पवार,दिलीप झिंगे , बनकर मुकेश,पुरुषोत्तम सवडे,सुशील जाधव,शिवाजी राव ढवले, स्मिता वाघ,विवेक भोसले , काटकर शेखर , विजय डुचे, राजा सोनोने ने किया है।

उर्स में निकला चादर जुलूस, हुई कव्वाली, समापन आज

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मोमिनपुरा तलैया गोहलपुर स्थित दरगाह हजरत बहादुर अली शाह रह. अलै. तथा बाबा अब्दुल खालिक रह. अलै. का सालाना दो दिवसीय उर्स प्रारंभ प्रारंभ हुआ। दरगाह के बब्लू बाबा ने बताया कि सज्जादा इकरार हुसैन रशीदी की सरपरस्ती में प्रथम दिन मंगलवार को प्रातः 11 बजे दरगाह में गुस्ल किया गया, दोपहर 3.30 बजे मोमिनपुरा से चादर जुलूस निकाला गया जो गोहलपुर, मंसूराबाद, मछली मार्केट, नालबंद मोहल्ला, चार खंभा होते हुए दरगाह पहुंचा जहां चादर व गुलपोशी की गई। तदोपरांत सायं 7 बजे से विशाल लंगर आयोजित हुआ जिसमें सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। रात्रि 11 बजे से महफिलें कव्वाली में मुकामी कव्वाल लो ने अपने कलाम पेश किये, देर रात तक चले कार्यक्रम मे श्रोता मंत्र मुग्ध हो गये। उर्स के दूसरे दिन आज बुधवार को सायं 4 बजे से रंग महफि ल व कुल होगा तदोपरांत फतेहा के बाद उर्स का समापन होगा। सभी अकीदतमंदों से उपस्थिति की अपील दरगाह कमेटी ने की है।

CMHO को नोट, नकली सोने के सिक्के भेंट करने पहुचे सपाई

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

समाजवादी पार्टी ने स्वास्थ्य विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार और बदहाल व्यवस्थाओं के खिलाफ मंगलवार को जिला अस्पताल के बाहर एक अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकताओं ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय मिश्रा पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें प्रतीकात्मक रूप से 'नकली नोट और सोने के सिक्के' भेंट किए। सपा प्रदेश सचिव का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार दीमक की तरह फैल चुका है और अधिकारी एसी कमरों में बैठकर अपनी जेबें भरने में मस्त हैं, जबकि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब जनता बुनियादी इलाज के लिए तरस रही है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि जिले में दो-दो कमरों के फर्जी अस्पताल धड़ल्ले से चल रहे हैं और सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टर दोपहर तक भी नहीं पहुंचते। हाल ही में बरेला में प्रसूता की मौत और डिंडोरी में ऑक्सीजन की कमी से हुई मौतों का हवाला देते हुए सपा कार्यकताओं ने विभाग की लापरवाही पर कड़ा रोष जताया। इस दौरान वे अपने साथ उन पीड़ित मरीजों को भी लाए थे जो इलाज के खर्च के कारण कर्ज में डूब चुके हैं या अपाहिज हो गए हैं। सपा ने चेतावनी दी है कि यदि इन लापरवाह अधिकारियों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन और भी उग्र होगा कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ता दीपांशु साहू, घनश्याम पटेल, राहुल अहिरवार, दीपेंद्र दुबे ,राम बालक पटेल, मनोज चौधरी एवं अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पदोंन्नति नियमो की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं मे आदेश सुरक्षित

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्य प्रदेश सिविल सेवा पदोन्नति नियम 2025 की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं की आज माननीय मुख्य न्यायाधीश श्री संजीव सचदेवा एवं जस्टिस श्री विनय सराफ की खंडपीठ द्वारा अंतिम सुनवाई समय द्वारा की गईं। मुख्य रूप से मध्य प्रदेश सरकार की ओर से सी.एस.बैद्यनाथण ने पक्ष रखा मध्य प्रदेश सरकार की ओर से न्यायालय को अवगत कराया गया कि पूर्व में जो आरक्षित वर्ग के कर्मचारी अधिकारी अनारक्षित में पदोन्नति पा चुके हैं उनकी गिनती आरक्षित वर्ग में की जाकर प्रोपोर्शनल रिजर्वेशन अर्थात अनुसूचित जाति को 16 परसेंट एवं अनुसूचित जनजाति को 20% प्रदान किया जाएगा ! अजाक्स संघ की एक पृथक से याचिका 03 अप्रेल 2025 को दायर की गई थी जिसमें पदोन्नति नियम के नियम 5 एवं 11 की संवैधानिकता को यह कहते हुए चुनौती दी गई थी कि उक्त नियम भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 से असंगत है ! उक्त में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट द्वारा कहा गया की याचिका नियम बनने के पूर्व दायर की गई है! तथा याचिका खारिज कर दी ! अजाक्स संघ एवं हस्तक्षेपकताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर एवं पुष्पेंद्र कुमार साह ने पक्ष रखा।

माय भारत बजट क्वेस्ट के लिए युवाओं को किया प्रेरित

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

भारत सरकार युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय तथा मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निदेर्शानुसार रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर की ओपन यूनिट के द्वारा कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा के संरक्षण, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. विवेक मिश्र, कार्यक्रम समन्वयक एन एस एस डॉ शोभाराम वर्मा मेहरा के मार्गदर्शन तथा विषय विशेषज्ञ डॉ. देवांशु गौतम कार्यक्रम अधिकारी एनएसएस ओपन यूनिट के नेतृत्व में प्रारंभ किया गया। इस संवाद व्याख्यान कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कक्षाओं के छात्र-छात्राओं को जानकारी देते हुए बताया गया कि बजट 2026-27 के संबंध में जागरूक करने हेतु भारत सरकार द्वारा आयोजित माय भारत क्वेस्ट में सहभागिता करने के लिए प्रेरित किया गया जिसमें लगभग डेढ़ सौ छात्र-छात्राओं को प्रेरित कर पंजीयन कराया गया! डॉ. देवांशु गौतम ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य है कि भारत के समस्त युवा भारत के बजट को अच्छे से जाने व समझे तथा जो छात्र-छात्राएं इस बजट क्विज में सहभागिता करेंगे और विजयी हो शीर्ष स्थान हासिल करते हैं तो भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संवाद करने का अवसर प्राप्त होगा। संवाद व्याख्यान कार्यक्रम के दौरान डॉ. हरलीन कौर रूपराह (कार्यक्रम अधिकारी महिला इकाई), डॉ. तरुणा राठौर, डॉ. आशा रानी सहित विभिन्न कक्षाओं के स्वयंसेवक छात्र-छात्राएं उपस्थित थे!

व्यवसायियों के स्वास्थ्य को नई दिशा देगा निरामय

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

वर्तमान समय में उद्योग व्यापार जगत से जुड़े अधिकांश व्यवसायी बंधु तनाव ग्रस्त जीवन जी रहे हैं जिससे वे लंबी अवधि में विभिन्न रोगों से जाने अनजाने ग्रस्त हो जाते हैं। जबलपुर के करदाताओं में दीघार्यु जीवन, उत्तम स्वास्थ्य एवं तनाव रहित जीवन को जीने की कला पर एक अद्भुत कार्यशाला निरामय का आयोजन 1 मार्च को किया जा रहा है। प्रदेश की शीर्ष उद्योग व्यापार संस्था फेडरेशन आफ मध्य प्रदेश चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री तथा डायवेल कोर फाऊंडेशन जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यशाला में व्यापारियों को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक एवं सचेत किया जाएगा। फेडरेशन के उपाध्यक्ष हिमांशु खरे ने इस अवसर पर जानकारी दी कि आधुनिक जीवनशैली के परिप्रेक्ष्य में शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन एवं आंतरिक प्रसन्नता का समन्वय आज समय की आवश्यकता बन गया है। सभी वर्गों के व्यक्ति आज बढ़ते हुए तनाव से जूझ रहे हैं। इसी उद्देश्य से *निरामय* का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रख्यात विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य संवर्धन, तनाव प्रबंधन एवं संतुलित जीवनशैली से संबंधित चिकित्सक एवं विशेषज्ञ व्यवहारिक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। आज स्वास्थ्य को लेकर विभिन्न भ्रांतियां सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भी प्रचारित की जाती है जिसकी कोई प्रामाणिकता नहीं होती है तथा यह देखने में आया है कि अक्सर हम गलत जानकारी का शिकार भी बनते हैं। व्यापारी के लिए स्वयं के लिए समय निकालना कठिन होता है तथा स्वास्थ्य संतुलन के प्रति उसकी प्राथमिकता कम होती है। स्वास्थ्य संतुलन तथा वैलनेस पर आधारित उक्त कार्यशाला में विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा उत्तम स्वास्थ्य की पद्धति पर प्रकाश डाला जाएगा। इस अवसर पर डायवेल कोर फाउंडेशन के अध्यक्ष सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉक्टर परिमल स्वामी ने बताया की जबलपुर में अपनी तरह का यह पहला आयोजन है जिसमें स्वस्थ जीवन जीने की कला एवं पद्धतियों को आसान तकनीक एवं तरीकों से जनमानस को समझाया जाएगा। उन्होंने बताया की रिवर्सल आफ हार्ट डिसीज पर सुप्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर योगेश मेहता भी मुंबई से इस कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे जो उपस्थित व्यापारियों के प्रश्नों का जवाब देंगे तथा उनकी भ्रांतियां को भी दूर करेंगे। डॉ स्वामी ने बताया की कार्यक्रम में वीडियो एवं लाइव प्रस्तुतीकरण से सभी को आधुनिक स्वास्थ्य के आसान तरीकों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा जिसका की दीर्घकालीन लाभ सभी को प्राप्त हो सकेगा। बैठक में उपस्थित हिमांशु राय, गीता शरत तिवारी, इंद्र कुमार खन्ना, सुनील श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, सीए मनीष कौशल ने बताया कि व्यापारियों के अलावा विभिन्न प्रोफेशनल व्यक्ति जैसे चार्टर्ड अकाउंटेंट, टैक्स विशेषज्ञ, अधिवक्ता, डॉक्टर आदि भी इस महत्वपूर्ण कार्यशाला का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर दीपक सेठी, मनु शरत तिवारी, मुनींद्र मिश्रा, नीता नारंग, अंजना तिवारी, अभिषेक जैन, मनीष केसरी, विनोद शर्मा, डॉक्टर पीपरा, सुनील पांडेय, मजहर खान आदि ने सभी व्यवसायियों से आग्रह किया है की वह निरामय के बहु उपयोगी महत्वपूर्ण आयोजन में भाग लेकर अपने जीवन को नई दिशा प्रदान करें।

आज नजर आ सकता है रमजान माह का चाँद

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मुफ्ती-ए-आजम मध्यप्रदेश हजरत मौलाना डॉक्टर मुशाहिद रजा कादरी बुरहानी के अनुसार आज 18 फरवरी, बुधवार, मुताबिक 29 शाबान को रमजान माह का चाँद नजर आने की उम्मीद है। लिहाजा आज शाम मगरिब के वक़्त चाँद देखने की पूरी कोशिश करें। चाँद नजर आने पर तुरंत मौलाना साहब के मोबाइल नंबर +91 93022 56729 पर सूचना दें, ताकि राब्ता कायम कर आम तौर पर चाँद का ऐलान किया जा सके। चाँद की तस्दीक के बाद ही रमजान शरीफ के रोजों एवं तरावीह की शुरूआत का एलान किया जाएगा। शहर की मस्जिदों और मदरसों में भी रमजान की तैयारियाँ लगभग पूरी कर ली गई हैं।

संपादकीय

अरावली पर सुप्रीम कोर्ट का 'सुरक्षा कवच'

यह छिपी बात नहीं है कि जितने बड़े इलाके में अरावली की पहाड़ियां फैली हैं, वहां और उसके आसपास उसकी क्या अहमियत है। इसे सिर्फ इतने से समझा जा सकता है कि समूची पर्वत-शृंखला को एक जीवन-रेखा की तरह देखा जाता है।विडंबना यह है कि वहां खनन और अन्य गतिविधियों की वजह से पूरे क्षेत्र में पड़ने वाले प्रभाव और उसके नुकसानों को देखते हुए जब अरावली के संरक्षण के लिए स्वर तेज हो रहे हैं, वैसे में भी सरकार को नई परियोजनाओं के असर पर विचार करना जरूरी नहीं लग रहा है।गौरतलब है कि हरियाणा सरकार सुप्रीम कोर्ट में गुरुग्राम और नूंह जिले में प्रस्तावित जंगल सफारी पर विस्तृत योजना जमा करना चाहती थी। हरियाणा सरकार की ओर से अदालत में यह दलील भी दी गई कि सफारी परियोजना की विस्तृत रपट में जरूरत की भूमि को दस हजार एकड़ से बदल कर तीन हजार तीन सौ एकड़ कर दिया गया है। मगर शीर्ष अदालत ने इस पर सख्त रुख अख्तियार किया और कहा कि जब तक विशेषज्ञ अरावली क्षेत्र की परिभाषा को बिल्कुल स्पष्ट नहीं कर देते, तब तक किसी को भी अरावली को छूने नहीं दिया जाएगा और कोई भी विकास या निर्माण कार्य की अनुमति नहीं दी जाएगी।गौरतलब है कि पिछले वर्ष अक्तूबर में हरियाणा सरकार की प्रस्तावित 'अरावली जू सफारी' परियोजना पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी थी। हालांकि सरकार का कहना था कि इस परियोजना के तहत विश्व की सबसे बड़ी सफारी तैयार की जाएगी, जिसमें बाघ, पक्षी, सरीसृप और तितलियों के लिए अलग-अलग क्षेत्र बनाए जाने थे। मगर भारतीय वन सेवा के पांच सेवानिवृत्त अधिकारियों और एक संगठन की ओर से दायर याचिका में कहा गया कि पहले ही संकट का सामना कर रही अरावली पर्वत-शृंखला के लिए यह परियोजना विनाशकारी साबित होगी। यह समझना मुश्किल है कि 'जू सफारी' बनाने या ऐसी अतिरिक्त गतिविधियों को जहां समूचे अरावली क्षेत्र के लिए नुकसानदेह माना जा रहा है, पर्यावरणविद् इसके लिए चेताते रहे हैं, उस इलाके में अरावली के परिभाषित होने तक रुकना क्यों जरूरी नहीं समझा जा रहा है।जिस पहलू को सरकार को खुद समझना चाहिए, उसके लिए शीर्ष अदालत को बताने की जरूरत क्यों पड़ रही है। पहाड़ियों और पर्वतमाला की एक जैसी परिभाषा को स्वीकार कर लिया था। हालांकि बाद में विशेषज्ञों की रपट आने तक दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में फैले इसके इलाकों में खनन के नए पट्टे देने पर रोक लगा दी थी।चार राज्यों और कई सौ किलोमीटर के क्षेत्र में फैली अरावली दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत शृंखलाओं में एक है और यह थार मरुस्थल को पूर्व यानी दिल्ली सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में फैलने से रोकने वाली एक प्राकृतिक ढाल के रूप में काम करती है।

बांग्लादेश के लिए यह क्षण आत्ममंथन का भी है। क्या वह अपनी पहचान को केवल धार्मिक राष्ट्रवाद तक सीमित करेगा, या भाषा, संस्कृति और बहुलता की उस विरासत को आगे बढ़ाएगा जिसने उसे जन्म दिया? मुक्ति संग्राम की मूल भावना सामाजिक न्याय और समान अवसर की थी। बांग्लादेश की राजनीति एक बार फिर इतिहास के मोड़ पर खड़ी है। लगभग दो दशकों के लंबे अंतराल के बाद यदि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में लौटती है और तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की दावेदारी तक पहुंचते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक दिशा परिवर्तन का संकेत होगा। 299 सीटों में से 212 पर विजय का दावा इस बात का प्रमाण है कि मतदाता लंबे समय से चली आ रही अस्थिरता, अंतरिम व्यवस्थाओं और वैचारिक ध्रुवीकरण से बाहर निकलकर एक निर्णायक जनादेश देना चाहता है। छात्र आंदोलन से उपजी नेशनल सिटीजन पार्टी का मात्र छह सीटों पर सिमटना भी इस तथ्य को पुष्ट करता है कि जनभावना प्रयोगधर्मिता से आगे बढ़कर स्थायित्व की ओर झुक रही है।

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की वैचारिक क्रांति

लगभग अठारह महीने से चल रही अंतरिम व्यवस्था के अवसान के साथ बांग्लादेश एक नए अध्याय में प्रवेश करने जा रहा है, पर प्रश्न यह है कि यह अध्याय उदार लोकतंत्र का होगा या किसी नए प्रकार के वैचारिक वर्चस्व का?बांग्लादेश का इतिहास संघर्ष, त्याग और पहचान की जिजीविषा से निर्मित हुआ है। 1971 के मुक्ति संग्राम में भारत की निर्णायक भूमिका केवल सैन्य सहायता तक सीमित नहीं थी, वह सांस्कृतिक और मानवीय सहयोग का भी प्रतीक थी। परंतु पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक ध्रुवीकरण, कट्टरवादी विमर्श और बाहरी प्रभावों ने उस ऐतिहासिक आत्मीयता पर धुंध डालने का प्रयास किया। अंतरिम सरकार के दौरान जिस प्रकार वैचारिक कठोरता और प्रशासनिक असमंजस दिखा, उसने अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने दोनों को प्रभावित किया। ऐसे समय में स्पष्ट जनादेश को स्थिरता का अवसर माना जा सकता है, बशर्ते सत्ता इसे प्रतिशोध का माध्यम न बनाए, बल्कि पुनर्निर्माण का औजार बनाए।

तारिक रहमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती सांप्रदायिक सौहार्द की पुनर्स्थापना होगी। बांग्लादेश का सामाजिक ढांचा बहुलतावादी है, वहां अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और सम्मान केवल नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की कसौटी है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से दूरी बनाकर विकासोन्मुखी एजेंडा अपनाती है, तो वह न केवल आंतरिक स्थिरता ला सकती है, बल्कि दक्षिण एशिया में एक सकारात्मक उदाहरण भी प्रस्तुत कर सकती है। पर यदि चुनावी विजय को वैचारिक वर्चस्व के रूप में प्रस्तुत किया गया, तो यह जनादेश अवसर से अधिक संकट में बदल सकता है।

आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश ने पिछले दशक में उल्लेखनीय प्रगति की थी। वस्त्र उद्योग, निर्यात वृद्धि और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उसने मिसाल कायम की। किंतु राजनीतिक अस्थिरता और नीतिगत अनिश्चितता ने निवेशकों के विश्वास को झटका दिया। अब नई सरकार के लिए यह अनिवार्य है कि वह आर्थिक सुधारों को गति दे, रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करे और विदेशी निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाए। विकास की नई गंगा तभी बहेगी जब शासन पारदर्शी, जवाबदेह और समावेशी होगा। केवल नारे या राष्ट्रवाद की तीखी ध्वनियां आर्थिक संकट का समाधान नहीं बन सकतीं।

भारत-बांग्लादेश संबंध इस चुनाव के सबसे महत्वपूर्ण आयामों में से एक हैं। दोनों देशों के बीच साझा इतिहास, सांस्कृतिक निकटता और आर्थिक परस्परता है। सीमा प्रबंधन, जल बंटवारा, व्यापार और सुरक्षा सहयोग जैसे मुद्दे परस्पर विश्वास से ही सुलझ सकते हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान के साथ बढ़ती निकटता और भारत के प्रति संदेहपूर्ण बयानबाजी ने संबंधों में अनावश्यक तनाव पैदा किया। यदि नई सरकार क्षेत्रीय संतुलन की नीति अपनाते हुए भारत के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद पुनः स्थापित करती है, तो यह दोनों देशों के हित में होगा। भारत ने बांग्लादेश के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, उस ऐतिहासिक साझेदारी को भावनात्मक नहीं, व्यावहारिक आधार पर पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि दक्षिण एशिया की राजनीति अब केवल द्विपक्षीय समीकरणों तक सीमित नहीं है। चीन की बढ़ती उपस्थिति, अमेरिका की रणनीतिक रुचि और पाकिस्तान की पारंपरिक भूमिका-इन सबके बीच बांग्लादेश को संतुलित कूटनीति अपनानी होगी। यदि नई सरकार वैचारिक आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखती है, तो वह क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में एक परिपक्व भूमिका निभा सकती है। परंतु यदि विदेश नीति घरेलू राजनीति का विस्तार बन गई, तो अस्थिरता का चक्र फिर दोहराया जा सकता है।

इस चुनाव का एक और महत्वपूर्ण संकेत यह है कि बांग्लादेश का मतदाता अब निर्णायकता चाहता है। लंबे समय तक आंदोलन, विरोध और अंतरिम प्रयोगों से थका समाज स्थिर शासन की आकांक्षा रखता है। किंतु स्थिरता केवल बहुमत से नहीं आतीय वह संस्थाओं की मजबूती, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और मीडिया की स्वायत्तता से आती है। नई सरकार को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं, बल्कि असहमति को सम्मान देने की संस्कृति का नाम है। यदि विपक्ष को हाशिये पर धकेला गया या आलोचना को देशविरोध का रूप दिया गया, तो लोकतांत्रिक ऊर्जा क्षीण हो जाएगी।

बांग्लादेश के लिए यह क्षण आत्ममंथन का भी है। क्या वह अपनी पहचान को केवल धार्मिक राष्ट्रवाद तक सीमित करेगा, या भाषा, संस्कृति और बहुलता की उस विरासत को आगे बढ़ाएगा जिसने उसे जन्म दिया? मुक्ति संग्राम की मूल भावना सामाजिक न्याय और समान अवसर की थी। यदि नई सत्ता उस भावना को पुनर्जीवित करती है, तो यह जनादेश ऐतिहासिक सिद्ध होगा। अन्यथा यह अवसर भी इतिहास की एक और चूकी हुई संभावना बन सकता है।

भारत की दृष्टि से भी यह चुनाव महत्वपूर्ण है। नई दिल्ली को प्रतिक्रिया में उतावलापन नहीं, बल्कि धैर्य और कूटनीतिक परिपक्वता दिखानी होगी। पड़ोसी देश की संप्रभुता और जनादेश का सम्मान करते हुए सहयोग का हाथ बढ़ाना ही दीर्घकालिक हित में है। सीमा पार आतंकवाद, अवैध घुसपैठ और तस्करी जैसे मुद्दों पर सख्ती के साथ-साथ आर्थिक और सांस्कृतिक संवाद को भी सुदृढ़ करना होगा। संबंधों में भावनात्मकता के बजाय व्यावहारिकता और पारस्परिक सम्मान की नींव आवश्यक है।

अंततः यह चुनाव बांग्लादेश के लिए निर्णायक इसलिए है क्योंकि यह केवल सरकार बदलने का अवसर नहीं, बल्कि शासन की शैली और राष्ट्रीय दिशा तय करने का क्षण है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से मुक्त, समावेशी और विकासोन्मुखी नीति अपनाती है, तो वह बांग्लादेश को स्थिरता और समृद्धि के पथ पर अग्रसर कर सकती है। परंतु यदि वह अतीत की कटु स्मृतियों और वैचारिक आग्रहों में उलझी रही, तो जनादेश की सार्थकता संदिग्ध हो जाएगी। बांग्लादेश को अब नई संभावनाओं, नई सोच और नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ना है। यही इस चुनाव का संदेश है और यही उसकी वास्तविक परीक्षा भी। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जेन-जेड की डिजिटल दुनिया, ताकत या कमजोरी

इस समय बड़ी चुनौती यह है कि डिजिटल दुनिया से प्रभावित इस शक्ति को अगर सही दिशा नहीं मिली, तो इससे उनका ही नुकसान हो सकता है। दुनियाभर में युवाओं की नई पौध कहीं अधिक प्रखर और त्वरित कदमों से आगे बढ़ने वाली पीढ़ी है। सोशल मीडिया और स्मार्टफोन के दौर की इस पीढ़ी को आजकल 'जेन-जेड' कहा जा रहा है। यही वह नई युवा शक्ति है, जो अपने-अपने देशों में अन्याय और विसंगतियों के विरुद्ध खड़ी हो रही है। कुछ समय पहले पूरी दुनिया ने नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश में उन प्रदर्शनों को देखा, जिनमें हजारों युवा सड़कों पर उतर आए थे। उस समय ऐसा लगा कि बहुत कुछ बदल जाएगा। जो विसंगतियां हैं, अब वे खत्म होंगी। चाहे वह भ्रष्टाचार हो या नेताओं का परिवारवाद या फिर महंगाई और बेरोजगारी जैसी समस्या। मगर ऐसा कुछ देखने को नहीं मिला और इन देशों में ढर्रा वही रहा, जो पहले था। सत्ता परिवर्तनों के बावजूद कोई खास बदलाव सामने नहीं आया।

नई युवा शक्ति का असमानता और अन्याय के खिलाफ उठ खड़ा होना उन देशों के लिए असरदार हो सकता है, जहां स्थिति सचमुच बेहद खराब है और जहां अर्थव्यवस्था जर्जर हो रही है। मगर दिक्कत यह है कि कृत्रिम मेधा और सोशल मीडिया से प्रभावित यह पीढ़ी तत्काल सब कुछ दुरुस्त कर लेना चाहती है। मगर सच तो यह है कि अचानक सड़कों पर उतर जाने से रातों-रात व्यवस्था नहीं बदल जाती। यह पीढ़ी अपनी ताकत का धैर्य और सकारात्मक तरीके से इस्तेमाल करे, तो दुनिया में जो बदलाव वे चाहते हैं, वह संभव हो सकता है। ऐसी स्थिति में इस पीढ़ी की सार्थकता और उसकी ताकत पर दुनिया का भरोसा कायम हो सकता है। मगर अभी ऐसा हुआ नहीं है। इस समय बड़ी चुनौती यह है कि डिजिटल दुनिया से प्रभावित इस शक्ति को अगर सही दिशा नहीं मिली, तो इससे उनका ही नुकसान हो सकता है। भारत में इस युवा पीढ़ी को सार्थक निवेश के जरिए आगे बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। देश इनका साथ लेकर प्रगति के पथ पर तेजी से अग्रसर होना चाहता है। मगर, ये उम्मीदें आगे कितनी सच होंगी, अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। फिलहाल तो करोड़ों युवा बेरोजगार हैं। देश की युवा आबादी कार्ययोग्य है, लेकिन उन्हें काम देने की बजाय अनुकंपा पर जीने की राह दिखाई जा रही है। अगर वे जल्द से जल्द अमीर बनने के लिए दूसरे देशों की ओर पलायन करते हैं, तो वहां से उन्हें किस तरह से स्वदेश वापस भेजा गया है, इसे सभी ने देखा है। अपने देश में तो रोजगार की गुंजाइश बढ़ नहीं रही, ऐसे में युवा करे, तो क्या करें। वहीं इनके सही राह से भटक जाने का जो जोखिम है, इसे कौन समझेगा। युवा देश की अमूल्य निधि होते हैं। उनके प्रखर और विकासोन्मुख होने की बात कही जाती है। मगर अभी दुनिया के कई देशों में अनुसंधान का निष्कर्ष यह बताता है कि आधुनिक तकनीक अपनाने वाली इस पीढ़ी की मेधा शक्ति पिछली पीढ़ी से कम है। इसकी क्या वजह हो सकती है? इसका कारण यह बताया जाता है कि 'जेन-जेड' कहलाने वाली यह पीढ़ी डिजिटल तकनीक पर बहुत अधिक निर्भर है। स्वयं खोज करने या अनुसंधान करने की बजाय उन्हें पहले से तैयार सब चीजें चाहिए। कई बार उनमें मौलिकता नहीं दिखाई पड़ती। उनमें कितनी संभावनाएं हैं, यह सामने आना अभी बाकी है। कहा जा रहा है कि भारत कृत्रिम मेधा और डिजिटल दुनिया में तेज गति से आगे बढ़ रहा है, लेकिन यह साफ है कि नई पीढ़ी मेधा और स्मृति के मामले में पिछली पीढ़ी जितनी भी नहीं दिखाई देती है। देश में तकनीक के अधिक इस्तेमाल के कारण किसी में स्वयं खोज करने की पहल नहीं दिखाई देती। शोध विशेषज्ञों के मुताबिक, पिछले पचास- साठ साल में जैसे-जैसे भारत सहित पूरी दुनिया में तकनीक का उपयोग शिक्षा क्षेत्र में बढ़ा है, बच्चों में सीखने की क्षमता घट गई है। मगर जो बच्चे प्रौद्योगिकी का कम या बिल्कुल इस्तेमाल नहीं करते, उनके परिणाम उन बच्चों से बेहतर हैं, जो डिजिटल सुविधा पर निर्भर हैं। भारत समेत पूरी दुनिया में कृत्रिम मेधा का बोलबाला हो गया है। सब जगह कागज रहित कार्य संस्कृति विकसित होने लगी है। दूसरी ओर इसी नई तकनीक का नतीजा है कि अब पुस्तकों के जरिए कम और स्मार्ट फोन, लैपटाप एवं कंप्यूटर पर शिक्षा देने का चलन बढ़ रहा है।

वायु प्रदूषण से जुड़ी मौतें, जब स्वास्थ्य का असर दिखता है, लेकिन राष्ट्रीय आंकड़े पीछे रह जाते हैं

उत्तर भारत के शहरों, विशेषकर दिल्ली में, वायु प्रदूषण का स्वास्थ्य पर प्रभाव अब किसी से छिपा नहीं है। बढ़ता वायु प्रदूषण एक गंभीर वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल बनता जा रहा है। वाहनों का धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, जीवाश्म ईंधनों का उपयोग और फसलों के अवशेष जलाना इसके प्रमुख स्रोत हैं, जो फेफड़ों के कैंसर, हृदय रोग और मस्तिष्काघात जैसी जानलेवा बीमारियों का जोखिम बढ़ा देते हैं। यह समस्या न केवल स्वास्थ्य, बल्कि आर्थिक उत्पादकता और कृषि को भी प्रभावित कर रही है। मगर सवाल यह है कि भारत में वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों को दर्ज करने के लिए क्या मृत्यु प्रमाणपत्र में इसका स्पष्ट उल्लेख होना जरूरी है और यदि ऐसा है, तो इसके लिए माकूल व्यवस्था का अभाव क्यों है?

यह प्रश्न इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि सरकार का कहना है कि देश में ऐसा कोई राष्ट्र-स्तरीय डेटा उपलब्ध नहीं है, जो बीमारियों या मौतों को वायु प्रदूषण से सीधे तौर पर जोड़ता हो।

किसी भी महामारी से निपटने के विज्ञान में 'एक्सपोजर-रिस्पॉन्स मॉडल', अतिरिक्त मृत्यु दर का अनुमान और जनसंख्या-स्तरीय जोखिम आकलन जैसे तरीकों का उपयोग किया जाता है। भारत स्वयं तंबाकू-संबंधी कैंसर और व्यावसायिक जोखिमों से जुड़ी बीमारियों के आकलन में इन तरीकों को स्वीकार करता है। यदि वायु प्रदूषण कोई वायरस होता, तो संभवतः भारत अब तक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर चुका होता। पिछले वर्ष सरकार की ओर से राज्यसभा में दिए गए एक लिखित उत्तर में कहा गया था कि देश में ऐसा कोई निर्णायक राष्ट्र-स्तरीय आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, जो मौतों या बीमारियों को केवल वायु प्रदूषण से सीधे तौर पर जोड़ता हो।

वर्ष 2007 में भी सरकार ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में विश्व स्वास्थ्य संगठन और आईजीआईडीआर के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया था कि घर के भीतर वायु प्रदूषण के कारण लगभग 4.07 लाख भारतीयों की समय से पहले मौत हो गई थी, जिनमें अधिकांश महिलाएं और बच्चे थे। हालांकि, सरकार ने यह भी कहा था कि इन मौतों और वायु प्रदूषण के बीच सीधा संबंध स्थापित करने के लिए कोई निर्णायक डेटा उपलब्ध नहीं है।

इस संदर्भ में यह कहना गलत नहीं होगा कि देशव्यापी मृत्यु प्रमाणपत्रों के अभाव को तकनीकी रूप से सही ठहराया जा सकता है, लेकिन यह चिकित्सकीय सत्य को पूरी तरह नहीं दर्शाता। सार्वजनिक स्वास्थ्य में जिम्मेदारी केवल एक कारण वाले मृत्यु प्रमाणपत्रों से नहीं मापी जा सकती। अधिकांश प्रदूषण-जनित मौतें हृदय और श्वसन संबंधी रोगों के बढ़ने के कारण होती हैं, जहां वायु प्रदूषण एक जोखिम कारक के रूप में काम करता है, न कि अकेले कारण के रूप में। सरकार का तर्क संभवतः तकनीकी पहलू पर आधारित है - अर्थात सार्वजनिक स्वास्थ्य रिकार्ड या ऐसे गहन अध्ययनों का अभाव, जिनमें प्रत्येक मौत को स्पष्ट रूप से 'वायु प्रदूषण-जनित' के रूप में दर्ज किया गया हो।

यह कहना कि 'निर्णायक राष्ट्रीय डेटा' उपलब्ध नहीं है, कुछ हद तक तकनीकी रूप से सही हो सकता है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि वायु प्रदूषण मौतों का कारण नहीं बन रहा।

उत्तर भारत के शहरों, विशेषकर दिल्ली में, वायु प्रदूषण का स्वास्थ्य पर प्रभाव अब किसी से छिपा नहीं है। सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों की राय और अनेक अध्ययनों ने बार-बार यह दिखाया है कि सूक्ष्म कणों से होने वाला वायु प्रदूषण मानव जीवन पर गंभीर प्रभाव डालता है। लांसेट पत्रिका में प्रकाशित 'ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी' के अनुसार, भारत में वर्ष 2019 में दस लाख से अधिक मौतें वायु प्रदूषण के कारण हुईं, जो देश में कुल मौतों का लगभग 18 प्रतिशत है।

अध्ययन से यह भी पता चला कि वर्ष 1990 से 2019 के बीच सूक्ष्म कणों से होने वाली मृत्यु दर में 115 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि घरेलू वायु प्रदूषण से होने वाली मृत्यु दर में कमी आई। चिंताजनक तथ्य यह है कि वायु प्रदूषण से होने वाला नुकसान बच्चे के जन्म से पहले ही शुरू हो जाता है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट के एक विश्लेषण से पता चलता है कि विषाक्त वायु भ्रूण में ऑक्सीजन और पोषक तत्वों के प्रवाह को बाधित करती है, जिससे समय से पहले जन्म, नवजात का कम वजन, फेफड़ों के विकास में रुकावट और बाल्यावस्था में दीर्घकालिक श्वसन समस्याओं की आशंका बढ़ जाती है।

पिछले कुछ दशकों में औद्योगिकीकरण, वाहनों की संख्या में तेजी और कमजोर राजनीतिक इच्छाशक्ति के कारण पर्यावरण को इस कदर नुकसान पहुंचा है कि इसके विषैले तत्व अब हर सांस और भोजन के साथ हमारे शरीर में प्रवेश कर रहे हैं। नीति-प्रतिक्रियाएं अधिकांशतः अल्पकालिक रही हैं, जबकि यह स्वास्थ्य संकट दीर्घकालिक और अंतर-पीढ़ीगत प्रभाव डालता है।

हाल ही में एक मीडिया रिपोर्ट में दिल्ली के छह प्रमुख सरकारी अस्पतालों के रिकार्ड का हवाला देते हुए बताया गया कि पिछले तीन वर्षों में इन अस्पतालों में दो लाख से अधिक गंभीर श्वसन रोगों के मामले दर्ज किए गए, जिन्हें वायु प्रदूषण से जोड़ा गया। बच्चों, बुजुर्गों और अन्य संवेदनशील समूहों में अस्थमा, सांस फूलने और श्वसन संबंधी समस्याओं के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि यह दर्शाती है कि वायु प्रदूषण का प्रभाव केवल सांख्यिकीय अनुमान नहीं, बल्कि रोजमर्रा की चिकित्सकीय वास्तविकता बन चुका है।

विभिन्न शोध यह भी संकेत देते हैं कि वायु प्रदूषण केवल श्वसन रोगों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रोगजनकों के प्रसार को भी प्रभावित कर सकता है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में दिल्ली के कुछ घनी आबादी वाले इलाकों की हवा में एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी जीवाणुओं की मौजूदगी पाई गई। इससे संकेत मिलता है कि सूक्ष्म कण (पीएम 2.5 और पीएम 10) जीवाणुओं के लिए वाहक की तरह काम कर सकते हैं, जिससे वे हवा में लंबे समय तक बने रहते हैं और मानव शरीर तक पहुंचने की संभावना बढ़ जाती है।

यह एक ऐसा पहलू है, जो वायु प्रदूषण और स्वास्थ्य नीति को अब भी अलग-अलग खांचों में देखने की प्रवृत्ति को उजागर करता है। स्वास्थ्य आपातकाल को केवल डेटा की श्रेणियों पर तकनीकी बहस तक सीमित नहीं किया जा सकता। अस्पतालों में हर दिन वायु प्रदूषण के गंभीर प्रभाव देखे जा रहे हैं, लेकिन इन्हें आधिकारिक रूप से स्वास्थ्य संकट नहीं माना जाता, क्योंकि इस तरह की मौतें 'वायु प्रदूषण-जनित' की स्पष्ट श्रेणी में दर्ज नहीं होतीं। यह चक्रीय तर्क डेटा अंतराल के माध्यम से जवाबदेही में देरी करता है। लाखों भारतीयों के लिए यह संकट रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है - बच्चे और युवा सर्दियों की धुंध भरी हवा में सांस लेने के लिए संघर्ष करते हैं, बुजुर्ग मरीजों से अस्पतालों में भीड़ बढ़ रही है और श्रमिक वर्ग विषाक्त हवा में बिना पर्याप्त सुरक्षा के काम करने को मजबूर है।

ऐसे में भारत को वायु प्रदूषण को केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं, बल्कि स्वास्थ्य का एक संरचनात्मक निर्धारक मानना चाहिए। राष्ट्रीय निगरानी प्रणालियों में वैज्ञानिक साक्ष्यों को एकीकृत करने, आंकड़ों को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराने और नीति विमर्श में प्रदूषण-जनित मृत्यु दर को स्पष्ट मान्यता देने की आवश्यकता है। ये केवल तकनीकी सुधार नहीं, बल्कि एक नैतिक जिम्मेदारी भी हैं, जो स्वच्छ हवा में सांस लेने के नागरिक अधिकार से जुड़ी हुई हैं।

स्वच्छता और जन-सुविधाओं को परखने सुबह-सुबह मैदान में उतरे निगमायुक्त, 7 संभागों का किया दौरा

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर की स्वच्छता व्यवस्था को चाक-चैबंद करने और आगामी त्यौहारों के मद्देनजर जन-सुविधाओं का जायजा लेने के लिए नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार एक्शन मोड में नजर आए। मंगलवार सुबह 06:30 बजे से ही निगमायुक्त ने शहर के विभिन्न सात संभागों 3, 4, 8, 12, 13, 14 और 16 का दौरा किया। दो घंटे के इस सघन निरीक्षण के दौरान उन्होंने गलियों, बस्तियों और कॉलोनियों की सफाई व्यवस्था के साथ जल वितरण, प्रकाश, पेंटिंग और अन्य विकास कार्यों की जानकारी ली। निगमायुक्त ने संभागों के अंतर्गत आने वाले वार्डों का भ्रमण कर सफाई व्यवस्था, सुचारू जल वितरण, स्ट्रीट लाइट और सौंदर्यीकरण हेतु चल रहे पेंटिंग कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने नाला-नालियों की सफाई और निमार्णाधीन कार्यों की प्रगति देखते हुए अधिकारियों को समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सार्वजनिक और सामुदायिक प्रसाधन केंद्रों का भी अवलोकन किया और वहां स्वच्छता के उच्चतम मानक बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए।

त्यौहारों को लेकर विशेष सतर्कता

आगामी रमजान माह की तैयारियों को लेकर निगमायुक्त विशेष रूप से संवेदनशील दिखे। क्षेत्रीय वार्ड पार्षदों क्रमशः शमरीन कुरैशी, अख्तर अंसारी के साथ उन्होंने वार्ड के विभिन्न क्षेत्रों जैसे रद्दी चैकी,नूरी नगर,तालिब शाह चैक, सुब्बा शाह और रजा चैक, अमन चैक आदि का निरीक्षण किया और सभी संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर नगर निगम स्वास्थ्य, जल, उद्यान, लोककर्म, अतिक्रमण आदि विभाग के अधिकारी कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक युगान्तरकारी कदम : कुलगुरु प्रो. वर्मा

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

भारतीय शिक्षा प्रणाली के इतिहास में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक युगान्तरकारी कदम है। इस नीति विद्यार्थियों को केवल डिग्री प्रदान नहीं करती बल्कि इसका उद्देश्य शिक्षा में व्यापक लचीलापन लाना, बहुविषयक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना, कौशल विकास तथा वैश्विक मानकों के अनुरूप गुणवत्ता सुनिश्चित करना है ताकि हम पुनः विश्वगुरु के रूप में स्थापित हो सके। उक्ताशय के विचार रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राजेश कुमार वर्मा ने साइंस कॉलेज में आई. क्यू.ए.सी. द्वारा "उच्च शिक्षा में गुणवत्ता की खोज- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में नवोन्मेषी पद्धतियों का उपयोग "विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किये। माँ सरस्वती पूजन वंदन के उपरांत प्राचार्य डॉ. शिखा सक्सेना ने अतिथियों का स्वागत किया तथा अपने उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. शिखा सक्सेना ने नई शिक्षा नीति 2020 के उन प्रावाधानों को बताया जिनसे विद्यार्थी लाभान्वित हो. सकते हैं। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आर. के. श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण करते हुये राष्ट्रीय सेमिनार के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। संयोजक डॉ. ज्योति श्रीवास्तव ने सेमिनार की विषयवस्तु तथा रूपरेखा प्रस्तुत की। उद्घाटन सत्र के प्रथम सत्र में विकम विश्वविद्यालय उज्जैन के पूर्व कुलपति डॉ. अखिलेश पांडे ने अपनी गौरवशाली सनातनी परंपरा के ज्ञान भंडार की विशेषताएँ बताई। अपने रसायन, वास्तुशास्त्र, गणित, अंतरिक्ष तथा खगोल विज्ञान में भारतीय मनीषियों के समृद्ध ज्ञान भंडार का उल्लेख करते हुये कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को भारतीय ज्ञान परंपरा से परिचित होना आवश्यक है। देश के अनेक महाविद्यालयों पर नवाचार पद्धतियों से शोधार्थियों तथा प्राध्यापकों को अवगत कराया। द्वितीय आमंत्रित वक्ता खैरागढ़ विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ के प्राध्यापक राजन मिश्र जी ने नई शिक्षा नीति में राजभाषा हिन्दी तथा क्षेत्रीय भाषाओं तथा सांस्कृतियों के विकास संयोजक के महत्व को बताते हुये अपने विचार रखे। उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर प्रकाशित स्मारिका का विमोचन किया गया। इस अवसर पर 40 शोध पत्रों का वाचन तथा 21 पोस्टर प्रदर्शन शिक्षकों, शोधार्थियों तथा प्रतिभागियों द्वारा किया गया। इस संगोष्ठी में महाकौशल, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश सहित देश के अनेक राज्यों के 400 प्रतिभागियों द्वारा पंजीकरण कराया गया है। इस अवसर पर नई शिक्षा नीति तथा शिक्षा के लिये किये जा रहे प्रयोगों को लेकर एक पोस्टर प्रदर्शनी तथा मॉडल्स प्रदर्शनी ने सभी का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वर्षा अगलावे तथा आभार प्रदर्शन आयोजिन सचिव डॉ. एस. एन. शुक्ला ने किया। कार्यकम में सह संयोजक डॉ. अर्चना बाजपेयी, डॉ. मनीष शर्मा, डॉ. चेतना राणा अग्निहोत्री, डॉ. रीनू शर्मा सहित समस्त प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों का सहयोग रहा।

निगमायुक्त द्वारा दिये गए लक्ष्य की पूर्ति के लिए पूरा राजस्व अमला मैदान में उतरा

14 करदाताओं के विरूद्ध नगर निगम ने की सम्पत्ति कुर्की की कार्रवाई

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर की बुनियादी सुविधाओं और विकास कार्यों को निरंतर बनाए रखने के लिए नगर निगम इन दिनों वसूली को लेकर एक्शन मोड में है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में निगम का पूरा राजस्व अमला मैदान में उतरकर बकाया करों की वसूली सुनिश्चित कर रहा है। वसूली अभियान के संबंध में निगमायुक्त श्री अहिरवार ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य न केवल राजस्व लक्ष्य को प्राप्त करना है, बल्कि ईमानदार करदाताओं के सहयोग से शहर के सौंदर्यीकरण और जनसुविधाओं को बेहतर बनाना भी है। अभियान के दौरान आज मुख्यालय सहित दमोहनाका, भानतलैया, राँझी और सुहागी संभागों में प्रभावी कार्यवाही की गई। करदाताओं ने निगम की अपील को गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही चेक के माध्यम से भुगतान किया। उन्होंने बताया कि संभाग क्रमांक 6 के अंतर्गत पं. दीनदयाल उपाध्याय वार्ड अंतर्गत भवन स्वामी शशि चक्रवर्ती पति स्व. रमेश चक्रवर्ती बकाया राशि 1 लाख 10 हजार 6 सौ, महेन्द्र जैन पिता स्व. ज्ञानचंद जैन बकाया राशि 1 लाख 4 हजारा 8 सौ 45, किरण कछवाहा पति स्व. दुर्गा प्रसाद कछवाहा बकाया राशि 53 हजार 5 सौ 76 रुपए होने पर भवन पर कुर्की के पोस्टर चस्पा किये गये साथ ही अन्य बकायादारों से सम्पर्क किया गया। इसी प्रकार संभाग क्रमांक 8 भानतलैया अंतर्गत राधाकृष्ण वार्ड में विजय खरे के नाम पर 1 लाख 42 हजार रुपए, मुंशी चैधरी पर 37 हजार 3 सौ 30, मुन्नी बाई रजक पर 40 हजार 7 सौ 17, टीकाराम पर 31 हजार 9 सौ 60, गोपाल पर 51 हजार 8 सौ 41 एवं गरीबदास पर 64 हजार 7 सौ 43 रुपए बकाया राशि पर सम्पत्ति कुर्क की गई। वसूली के दौरान शीतलामाई वार्ड अंतर्गत 2 बकायादारों से 2 चेक राशि रुपए 26 हजार 1 सौ 90 रुपए प्राप्त किये। उन्होंने बताया कि संभाग क्रमांक 10 रॉझी के अंतर्गत डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड में आशीष कुमार गुप्ता पर बकाया राशि 93 हजार 1 सौ 65 रुपए होने पर तीन दिवस में जमा करने पोस्टर चप्पा किया गया। गोकलपुर वार्ड अंतर्गत करदाता रमेश कुमार गुप्ता पर बकाया राशि 83 हजार 6 सौ 66 रुपए जमा न करने पर भवन पर कुर्की की कार्यवाही की गई। पिन नम्बर 1002259243 पर बकाया राशि 46 हजार 4 सौ 19 रुपए बकाया होने पर करदाता द्वारा लोक अदालत दिनांक 14 मार्च 2026 का पी.डी.सी. चेक दिया गया। उन्होंने बताया कि संभाग क्रमांक 13, पंडित भवानी प्रसाद तिवारी वार्ड में करदाता सुरेश पीनियानी पिता कन्हैया लाल के यहां 1 लाख 24 हजार रुपए संपत्ति कर बकाया होने पर अंतिम नोटिस जारी करते हुए 24 घंटे का समय दिया गया है, एवं अमित सिंह, जसपाल कौर के यहां 2 लाख 79 हजार 7 सौ 97 रुपए संपत्ति कर बकाया होने पर कुर्की का पोस्टर चिपकाया गया, करदाता द्वारा 24 घंटे का समय मांगा गया है कल तक राशि जमा न होने पर तालाबंदी की कार्यवाही की जावेगी।

संभागायुक्त द्वारा विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

संभागायुक्त श्री धनंजय सिंह ने आज संभागीय अधिकारियों के साथ समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक की। इस बैठक में उन्होंने कलेक्टर कमिश्नर कांफ्रेंस के बिंदुओं के पालन प्रतिवेदन एवं अन्य विभागीय योजनाओं में प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि कृषि वर्ष 2026 की कार्ययोजना अनुसार योजनाओं/गतिविधियों हेतु निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करें। उन्होंने कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, सहकारिता, मत्स्य विभागों की फील्ड स्तर पर क्रियान्वति योजनाओं/गतिविधियों की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया कि सम्बन्धित विभागीय अधिकारी अपनी योजनाओं की प्रगति को विभागीय पोर्टल में एंट्री करना सुनिश्चित करें। पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान डॉ. अम्बेडकर कामधेनु योजना, क्षीरधारा तथा हिण्यगर्भा योजनाओं पर चर्चा कर घटक वार लक्ष्यों की पूर्ति के लिए आवश्यक निर्देश दिए। ग्रामीण विकास विभाग की मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना अंतर्गत चयनित वृन्दावन ग्रामों के विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने, पंचायत स्तर पर नए राजस्व स्त्रोत का सृजन करने, पीएम आवास (ग्रामीण) की पूर्णता, लखपति दीदीयों को बैंक ऋण वितरण के लक्ष्य अनुरूप प्रगति, मनरेगा अंतर्गत एसएनए स्पर्श प्रणाली के तहत भुगतान आदि बिंदुओं पर चर्चा की। इसी प्रकार एकल नल जल योजनाओं के क्रियान्वयन व प्रगतिरत कार्यों को मार्च 2026 तक पूर्ण करने, पीएम जनमन व धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत लक्ष्यों की प्राप्ति की समीक्षा की। संभागायुक्त श्री सिंह ने संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग को निर्देशित किया कि पीएम जनमन व धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में कम प्रगति लाने वाले अधिकारी को नोटिस जारी किया जाये। साथ ही वनाधकिार पत्र धारकों को शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभांवित किये जाने की जिलेवार समीक्षा के दौरान कम प्रगति पर संबंधित जिलों के सहायक आयुक्तों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिये।

पति की हत्या कराने वाली पत्नी, प्रेमी व अन्य 2 को आजीवन कारावास

जबलपुर। न्यायालय सुनील कुमार विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट द्वारा पारित निर्णय में बरगी थानांतर्गत हत्या करने के आरोपीगण प्रहलाद पटेल, विष्णु पटेल, विकाश पटेल एवं संगीता मरावी को धारा 302/120इ भा.द.सं. के तहत आजीवन कारावास एवं प्रत्येक आरोपीगण को 5-5 हजार रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। मृतक प्रेम सिंह मरावी की पत्नी से आरोपी के अवैध संबंध थे।

45वीं राष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक चैम्पियनशिप में रादुविवि कर्मियों का वर्चस्व

कठिन से कठिन लक्ष्य प्राप्ति में उम्र बाधा नहीं होती : कुलगुरु प्रो. वर्मा

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

एमपी मास्टर्स एसोसिएशन के तत्वावधान में शासकीय इंजीनियरिंग कालेज मैदान में 13 से 15 फरवरी तक आयोजित 45वीं राष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में रादुविवि कर्मियों का वर्चस्व रहा है। इस प्रतियोगिता में 40 वर्ष से अधिक उम्र के प्रतियोगियों की सहभागिता रही है। रादुविवि के डॉ. संतोष सिंह ने पोल वाल्ट मे गोल्ड मेडल एवं डिसकस थ्रो मे सिल्वर मेडल जीता। मनोज कुमार सिंह ने 200 मीटर मे सिल्वर मेडल जीता एवं सुखदीन कटारे ने 1500 मीटर मे सिल्वर तथा 800 मीटर रजत पदक जीता। कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा एवं कुलसचिव प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने मंगलवार को कुलगुरु कक्ष में विजेताओं को सम्मानित किया एवं वरिष्ठ कर्मियों की इस उपलब्धि के लिए प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि निःसंदेह यह विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय है। कुलगुरु प्रो. वर्मा ने कहा कि किसी भी कठिन से कठिन लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु व्यक्ति की सफलता में उम्र बाधा नहीं होती है। साथ ही उन्होंने विजेताओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर कर्मचारी संघ अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह पटेल, उपाध्यक्ष बीरेंद्र कुमार तिवारी, डॉ .अजय मिश्रा, प्रवीण जयसवाल, राम सिंह ठाकुर, प्रेमशंकर पाण्डेय, दीपक नाहिर, संतोष पाण्डेय, लालजी उसरेठे, अनिल शुक्ला एवं राकेश श्रीवास्तव की उपस्थिति रही।

वार्षिक स्पोर्ट्स मीट में छात्राओं ने दिखाया उत्कृष्ट प्रदर्शन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय द्वारा महाविद्यालय प्राचार्य डॉ नीलम अग्रवाल के संरक्षण में खेल कूद प्रभारी डॉ हेमलता ठाकुर के निर्देशन में पुलिस परेड ग्राउंड में वार्षिक स्पोर्ट्स मीट 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न खेलों में अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

स्पोर्ट्स मीट में 100 मीटर, 200 मीटर दौड़, गोला फेंक, तवा फेंक, भाला फेंक एवं रस्साकशी जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। जिसमें भाला फेंक प्रतियोगिता में साक्षी अहिरवार ने प्रथम स्थान,सुहानी कोल ने द्वितीय स्थान एवं सुधा यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया वहीं तवा फेंक प्रतियोगिता में भावना मौर्य को प्रथम स्थान, यशस्वी परस्ते को द्वितीय स्थान एवं सुहानी कोल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। गोला फेंक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान भावना मौर्य ,द्वितीय स्थान खुशबू बानो एवं तृतीय स्थान खुशी सिंह ने प्राप्त किया। 100 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान सुहानी कोल, द्वितीय स्थान रिया द्विवेदी, तृतीय स्थान स्नेहा रजक ने प्राप्त किया। वहीं 200 मीटर दौड़ में सुहानी कोल ने प्रथम स्थान, श्रुति द्विवेदी ने द्वितीय स्थान, भावना मौर्य ने तृतीय प्राप्त किया। रस्साकशी प्रतियोगिता में कामाख्या विश्वकर्मा एवं टीम ने जीत हासिल की। इंडोर गेम्स में कैरम प्रतियोगिता में श्रुति द्विवेदी विजेता रही साथ ही शतरंज प्रतियोगिता में काव्या शर्मा विजेता रहीं। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ नीलम अग्रवाल ने छात्राओं को खेलों में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रोत्साहित किया और कहा कि खेल केवल शारीरिक दक्षता नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम वर्क का भी विकास करते हैं। महाविद्यालय द्वारा आयोजित स्पोर्ट्स मीट में खेलकूद प्रभारी डॉ.हेमलता ठाकुर, जेड.आई खान ,डॉ प्रतिमा उपाध्याय, डॉ आरती चौबे , डॉ पूजा नागले, श्री साकेत सोनी, अजनीश शर्मा का विशेष सहयोग रहा। महाविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष, व्याख्याता, अतिथि व्याख्याता एवं छात्राओं की उत्साहवर्धक उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक ऊजार्वान बना दिया।

यूजीसी बिल को पूर्ण रूप से लागू करो

सामाजिक न्याय की मांग को लेकर संयुक्त संगठनों का प्रदर्शन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

संयुक्त पिछड़ा वर्ग मोर्चा, आवास बौद्ध महासभा, अखिल भारतीय ओबीसी महासभा तथा अनुसूचित जाति, जनजाति और अल्पसंख्यक संगठनों ने घंटाघर क्षेत्र में संयुक्त रूप से विशाल प्रदर्शन करते हुए यूजीसी बिल को पूर्ण रूप से लागू करने की जोरदार मांग उठाई। इस अवसर पर हजारों की संख्या में लोग एकत्र हुए और राष्ट्रपति महोदय तथा प्रधानमंत्री महोदय के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि यूजीसी बिल का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में सामाजिक न्याय, समान अवसर और वंचित वर्गों के अधिकारों को सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से लंबित इस बिल को बिना किसी देरी के पूर्ण रूप से लागू किया जाना चाहिए, ताकि पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति, जनजाति और अल्पसंख्यक समुदायों को शिक्षा के क्षेत्र में उनका संवैधानिक अधिकार मिल सके। संयुक्त संगठनों के प्रतिनिधियों ने कहा कि देश में शिक्षा ही सामाजिक और आर्थिक उन्नति का सबसे बड़ा साधन है, इसलिए इसमें समान भागीदारी सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। यूजीसी बिल का क्रियान्वयन इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। ज्ञापन में मांग की गई कि सरकार शीघ्र निर्णय लेकर यूजीसी बिल को पूर्ण रूप से लागू करे और इससे संबंधित सभी प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, ताकि समाज के सभी वर्गों को न्याय मिल सके।

यह रहे उपस्थित :

कार्यक्रम में विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में यूजीसी बिल के समर्थन में आवाज बुलंद की और सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की ज्ञापन सौंपते समय रामरतन यादव, देवेश चौधरी, घनश्याम यादव, बैजनाथ कुशवाहा, मनोज बाघमारे, अरविंद श्रीवास्तव, राजेंद्र गुप्ता, नोखेलाल प्रजा, रामराज पटेल, छोटे पटेल, इंद्र कुमार पटेल, तरुण रोहतास, तेज कुमार भगत, इंद्र कुमार कुलस्ते, घनश्याम चक्रवर्ती धर्मेंद्र कुशवाहा, राजेंद्र पिल्लई, रामदास यादव, प्रमोद सेन, लाला विश्वकर्मा, मोहम्मद इरफान ,शैलेश लोधी, मेहंदी हसन, वृंदावन वर्मा, दिलीप पटेल, जितेंद्र कुर्मी, सुधीर नादेकर,एडवोकेट गया कुशवाहा, डॉ बालमुकुंद यादव, जितेंद्र यादव, अशोक यादव, संतोष राय, संतोष मराठा, परमानंद साहू,मुरारी चक्रवर्ती, रज्जन यादव, अमित पांडे , अजीत यादव, प्रहलाद बौद्ध, अमृतलाल नागर, संतराम कुशवाहा, राजेश भंवरे, सुंदर बाबा, सीताराम पटेल ,राकेश श्रीवास, शेखर उर्कडे,अजय झरिया, रुक्मणी गोटिया , राजेश यादव, देवकरण पटेल, आरती ठाकुर , माया देवी डॉ आर पटेल, कुशवाहा, सुशीला कनौजिया, रंजना कुशवाहा, सुनील यादव, नीलचंद यादव, रामकिशन यादव, दिनेश कुशवाहा, देवेंद्र यादव,कैलाश अटनेरे, माया हुरमाडे, अशोक संडे, उरकड़े जी, आकाश यादव, अनुज पटेल, सीताराम पटेल, इरफान उल अंसारी, शाहिद बड़ी संख्या में प्रमुख समाजसेवियों के नेतृत्व में हजारों की संख्या में लोग उपस्थित बिल के समर्थन में लोग उपस्थित रहे।

भव्य कलश यात्रा के साथ भागवत कथा शुरू

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मानेगांव नानक नगर दुर्गा मंदिर परिसर में क्षेत्रीय जन जजमान सुधीर राय, श्रीमती रूकमणि राय, श्री निवास राय श्रीमती शीला राय अरविंद शर्मा श्रीमती मनोज शर्मा द्वारा भागवत कथा का आयोजन किया गया। भागवताचार्य धीरज कृष्ण शास्त्री द्वारा इस कथा का वाचन किया जाएगा। मंगलवार को पहले दिन विशाल कलश यात्रा जिसमें 201 महिलाओं द्वारा नानक नगर दुर्गा मंदिर परिसर से कलश लेकर डीडी धाम संकट मोचन दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर मानेगांव रांझी से लेकर केशरी नगर खेरमाई मंदिर तक शोभायात्रा निकाली गई जिसमें वरिष्ठ समाज सेवी सुधीर सोनू दुबे, श्रीमती सुधा दुबे, पंडित राजेश तिवारी, पंडित ललित उपाध्याय, और पंडित सोमनाथ शुक्ला, पंडित रोहित तिवारी, पंडित सुनील पांडे, पंडित विजेंद्र तिवारी, श्री सुरेश दुबे, श्रीमती प्रभा दुबे, आकांक्षा दुबे, मधु वर्मा, प्रीति रानी मुकेश पटेल, यशवंत सिंह श्रीमती बिना राजकुमार पटेल श्रीमती सुभद्रा पटेल, ममता एवं सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे कल से कथा आरंभ होगी।

400 के.व्ही. टावर पर चढ़ी महिला का सुरक्षित रेस्क्यू

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

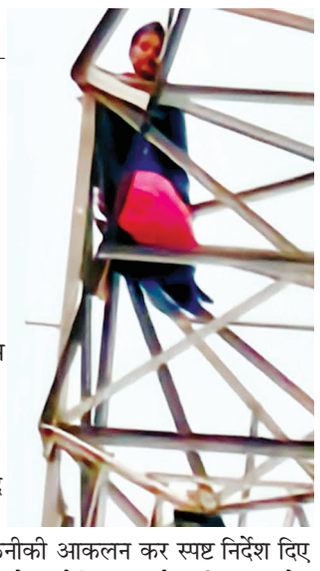

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के त्वरित एवं तकनीकी मार्गदर्शन से 400 के.व्ही. इंदौरझनागदा डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन के टावर पर चढ़ी एक महिला का सुरक्षित रेस्क्यू कर संभावित बड़ा हादसा टाल दिया गया। प्रशासन, स्थानीय नागरिकों एवं पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कंपनी की सलाह पर तुरंत अमल किया। घटना की सूचना मिलते ही इंदौर टीम ग्राम बौरसी, हातोद पहुंची। सहायक अभियंता राजेंद्र कनोजे एवं रवीन्द्र पाटिल ने तकनीकी आकलन कर स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी व्यक्ति टावर पर न चढ़े, क्योंकि 400 के.व्ही. लाइन के इंडक्शन जोन में बिना प्रत्यक्ष संपर्क के भी जानलेवा खतरा हो सकता है। एम.पी. ट्रांसको के मार्गदर्शन में परिजनों ने महिला को समझाइश दी। पढ़ाई जारी रखने की सहमति मिलने पर वे स्वयं सुरक्षित नीचे उतर आईं। कंपनी की सतर्कता और समय पर परामर्श से एक गंभीर दुर्घटना टल गई।

ऐसे लगाएं रात की रानी का पौधा, नहीं करनी होती ज्यादा देखभाल फूलों से महक उठता है घर

लोग घर में खुशबूदार पौधा लगाना पसंद करते हैं. जिससे भीनी-भीनी सी सुगंध पूरे घर में फैलती रहे. ऐसे ही पौधों में से एक है रात की रानी का पौधा. इसे अंग्रेजी में नाइट ब्लूमिंग जैसमिन (night blooming jasmine) कहा जाता है. यह पौधा बहुत खूबसूरत होता है. अगर ये बालकनी में लगा हो तो शाम ढ़लते ही पूरे घर में खुशबू भर जाती है. इसे आसानी से घर में लगाया जा सकता है. रात की रानी को अधिक देखभाल की जरूरत नहीं होती है.

कैसे गमले में लगाएं रात की रानी का पौधा

गमला कैसा हो

रात की रानी का पौधा लगाने के लिए कम से कम 18-20 इंच का गमला लेना होगा. गमला अगर मिट्टी का हो तो बेहतर है. प्लास्टिक या सेरेमिक गमला भी ले सकते हैं. सबसे पहले गमले में नीचे की ओर छोटा सा छेद कर देना है. कई बार ये छेद पहले से हुआ होता है तो कई बार बंद होता है. इसलिए इसे चेक कर लेना होता है. अगर आप इस छेद को नहीं खोलते हैं तो गमले में हवा नहीं जा पाती है. इससे पौधा सड़ने का खतरा होता है.

मिट्टी में क्या मिलाएं

पौधा ठीक रहे और लंबे समय तक हरा-भरा रहे, इसके लिए जरूरी है कि पोषक तत्वों से भरपूर मिट्टी में पौधा लगाया गया हो. साफ मिट्टी लेकर उसमें गोबर की खाद मिला लें. गोबर की खाद आसानी से बाजार में मिल जाती है. हो सके तो इसमें थोड़ी रेत भी मिलाएं. अब आधे गमले तक मिट्टी भर दें.

ऐसे लगाएं रात की रानी का पौधा

रात की रानी का पौधा कटिंग से भी लगाया जाता है. अगर आपने कटिंग खरीदी है और उसे लगा रहे हैं तो ध्यान दें कि उसमें 2-3 गांठें हों. आधे तक मिट्टी से भरे गमले में इस कटिंग को लगा दें. इसके बाद गमले में पर्याप्त मिट्टी भर दें. पौधे को सीधा कर दें. अब गमले में पानी डाल दें.

पौधे की देखभाल कैसे करनी होगी

रात की रानी के पौधे को तेज धूप की जरूरत नहीं होती है. इसलिए गर्मी में इसे थोड़ी छांव वाली जगह पर रखना चाहिए. इस पौधे में बहुत अधिक पानी भी नहीं डाल देना है. जब आपको गमले की मिट्टी सूखी दिखाई देने लगे, तभी गमले में पानी डालना चाहिए वरना पौधे की जड़ें खराब हो जाती हैं.

5 साल की उम्र से ही बच्चों को सिखाएं ये 5 चीजें

हर पेरेंट की चाहत होती है कि उनका बच्चा बड़ा होकर शालीन, समझदार, ईमानदार और सफल बने. पर ये सब तब हो सकता है जब आप बचपन से ही उन्हें कुछ आदतें सिखाएं. बचपन में डाली गई ये नींव उनकी शख्सियत का अहम हिस्सा बन जाती है. इन आदतों से बच्चे मेंटली स्ट्रॉन्ग भी बन जाते हैं. दरअसल, 5 साल की उम्र के बाद बच्चा जो सीखता है वो उसे प्रतिदिन करने लगता है. इस उम्र में उनकी चीजों को समझने, याद रखने की योग्यता विकसित होती है और कई आदतें ताउम्र साथ रहती हैं.

सच बोलना सिखाएं

सच बोलने की आदत डालें. बच्चों को सच बोलने को प्रोत्साहित करें. बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि गलती करना गलत नहीं है, लेकिन गलती छुपाने के लिए झूठ बोलना गलत है. इससे उनमें ईमानदारी और आत्मविश्वास, दोनों विकसित होने लगते हैं.

ना कहना सिखाएं

अक्सर हम लोगों को ना नहीं कह पाते. लेकिन बच्चों को ना कहना सिखाना बहुत जरूरी है. अगर कोई बात उन्हें ठीक ना लगे, किसी का व्यवहार खराब हो, तो वो उसे ना कह सकें. यह आदत उनकी सुरक्षा के लिए भी बहुत जरूरी है.

सम्मान करें

बच्चों को सिखाएं कि वे बड़ों का सम्मान करें. बड़ों का आदर करना सिखाएं. सम्मान करना उनके संस्कार में शामिल होना चाहिए. इससे वे एक शालीन इंसान बनेंगे और मानवता की कद्र करना सीखेंगे.

समय की कीमत

समय से कीमती कुछ नहीं. एक बार जो समय बीत गया सो बीत गया, वो वापस नहीं लौटता. बच्चों को हर काम का समय तय करने को कहें. जिससे वे समय की कीमत अभी से समझें. इससे बच्चों में अनुशासन की भावना विकसित होगी.

सॉरी, थैंक्स कहने में कोई बुराई नहीं

बच्चों को थैंक्स, सॉरी, प्लीज बोलने की आदत डालें. उन्हें इन छोटे-छोटे शब्दों की कीमत समझाएं. बच्चों को हार स्वीकार करना भी सिखाना चाहिए, ताकि वे असफलता से कभी डरें नहीं.

बच्चों को ये आदतें भी सिखाएं

बच्चों को साफ-सफाई, सही-गलत की समझ देना बहुत आवश्यक है. मोबाइल और स्क्रीन से दूरी बनाने को कहें. किताबों, खेल और बातचीत को बढ़ावा दें.

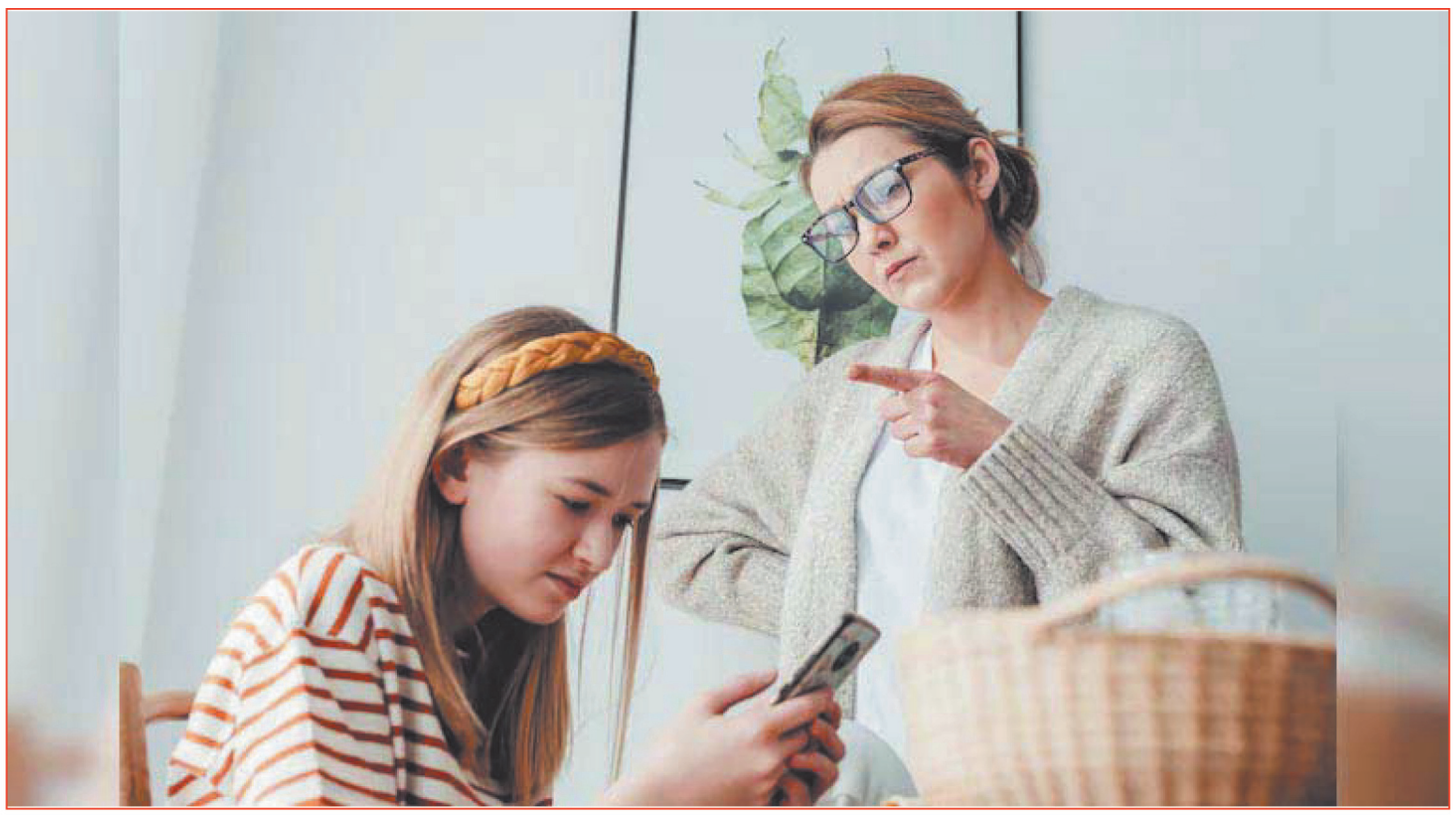

अगर बच्चा बात-बात पर देता है उल्टा जवाब तो गुस्से से नहीं बनेगी बात, ऐसे करें हैंडल

कई बार बच्चे इतने जिद्दी हो जाते हैं कि किसी की बात ही नहीं सुनना चाहते. उनका गुस्सा और व्यवहार इतना खराब हो जाता है कि वे माता-पिता को हर बात का उल्टा जवाब देना शुरू कर देते हैं. शुरू-शुरू में पेरेंट्स को ये बिहेव समझ नहीं आता, वे इसके पीछे के कारण तलाशने का प्रयास करते हैं. पर जब बच्चे की ये आदत बढ़ जाती है तो माता-पिता के लिए ये सिरदर्द बन जाता है. क्योंकि अगर बच्चों को समय पर ना रोका जाए तो वे बदतमीजी तक करने लग जाते हैं. इस तरह की परेशानियों से निपटना किसी भी पेरेंट के लिए आसान नहीं है. लेकिन कुछ तरीके ऐसे हैं, जिससे बच्चे की खराब आदतों को कंट्रोल किया जा सकता है.

बच्चे की मानसिकता समझें

बच्चे की मानसिकता आपसे कहीं अलग है. आप जो सोचते और करते हैं, बच्चा उतना मेच्योर नहीं है. वह जो भी करता है उसके पीछे कोई ठोस कारण होता है. इसलिए बच्चा इतना खराब व्यवहार क्यों कर रहा है, ये समझने की कोशिश करें. कहीं ऐसा तो नहीं कि बच्चा आपसे नाराज हो, या आपसे मन की बात ना कह पा रहा हो. कहीं वह स्कूल या दोस्तों की वजह से परेशान ना हो. वह मेंटली डिस्टर्ब तो नहीं हो रहा है. उसका गुस्सा आप पर क्यों निकल रहा है, ये जानें.

बच्चे को समय देना शुरू करें

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में पेरेंट्स के पास बच्चों के लिए समय ही नहीं है. इससे बच्चे कई बार अकेलेपन का शिकार हो जाते हैं. उनके पास ऐसा कोई नहीं होता, जिससे वे अपने दिल की बात कर सकें. इसलिए बच्चे से बात करना शुरू करें. हो सकता है शुरुआत में वह आपसे ज्यादा बात ना करे, पर धीरे-धीरे बच्चे पेरेंट्स से खुलने लगते हैं.

बच्चा जो बोले, उसे अच्छी तरह सुनें-समझें

जब आप बच्चे से बात करना शुरू करेंगे, तो हो सकता है कि उसकी कई बातें आपके लिए बोरिंग हों. पर उसे ये एहसास ना होने दें कि आप बोर हो रहे हैं. वो जो भी बोलना चाहता है, उसे आराम से सुनें. उसके साथ दोस्ताना व्यवहार करें. इससे बच्चा वो बात भी शेयर कर पाएगा जिसे शायद वो शेयर ना कर पा रहा हो. पेरेंट्स को बच्चों के साथ बॉन्डिंग बनाना बहुत जरूरी है.

गुस्से से नहीं बनेगी बात

कई बार जब बच्चा खराब व्यवहार करता है तो पेरेंट्स उसे डांटने लगते है या थप्पड़ तक लगा देते हैं. ये करने से बात और बिगड़ सकती है. बच्चे को तुरंत सजा देने की जल्दबाजी ना करें. उसे समझाएं कि उसका व्यवहार उचित नहीं है. वो पहले तो ऐसा नहीं करता था, अब क्या हो गया, इस तरह की बातों से उसे शांत करें.

इलेक्ट्रिक केटल को कैसे साफ करें?

केतली का इस्तेमाल रोजमर्रा की जिंदगी में करते हैं, तो उसमें लाइमस्केल जमा हो जाता है, जिसे हटाना काफी जरूरी होता है. आइए ऐसे में जानते हैं, इसे हटाने के आसान तरीके बारे में और किन बातों का रखना है ध्यान.

कभी कॉफी, गर्म पानी और चाय के लिए हम सभी इलेक्ट्रिक केतली का इस्तेमाल करते ही हैं, जिसने हम सभी की जिंदगी कहीं न कहीं आसान कर दी है, लेकिन जब हम केतली का इस्तेमाल रोजमर्रा की जिंदगी में करते हैं, तो उसमें लाइमस्केल जमा हो जाता है, जिसे हटाना काफी जरूरी होता है. बता दें, इसकी वजह से केतली की कार्यक्षमता कम हो जाती है. बता दें, लाइमस्केल की बनावट को कुछ लोग चॉक जैसा बताते हैं, तो कुछ अंडे के छिलके जैसा.

समय के साथ यह गाढ़ा होता जाता है और पतली सफेद परतों में बदल जाता है. ऐसे में आइए जानते हैं सिरके या साबून के बिना लाइमस्केल को कैसे हटाया जा सकता है.

अपनाएं ये आसान तरीका

सिरके के बिना ऐसे हटाएं लाइमस्केल

सिरका या साबुन के बिना इलेक्ट्रिक केतली से लाइमस्केल हटाने का सबसे आसान तरीका के बारे में बात करें, तो वह है साइट्रिक एसिड. बता दें साइट्रिक एसिड नींबू का खट्टा भाग होता है, जो आपको पाउडर के रूप में मार्केट में आसानी से मिल जाएगा. आप इसे ऑनलाइन भी मंगा सकते हैं. लाइमस्केल को हटाने के लिए यह तेजी से काम करता है, इसमें कोई बदबू नहीं आती है. इसके इस्तेमाल के बाद आप देखेंगे कि केतली के अंदर कोई अजीब सी परत नहीं हैं.

कैसे करें इस्तेमाल

सबसे पहले केतली में इतना पानी भरें कि लाइमस्केल पूरी तरह ढक जाए अब पानी को उबाल लीजिए.

फिर केतली को बंद कर दीजिए. अब गर्म पानी में 1 से 2 बड़े चम्मच साइट्रिक एसिड पाउडर डालें और केतली को धीरे से घुमा दीजिए.

एसिड के लाइमस्केल के साथ रिएक्शन करने पर छोटे-छोटे बुलबुले बनेंगे.

जिसका मतलब यह है कि लाइमस्केल हटने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है.

अब इसे 15-20 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दीजिए और किसी भी चीज से लाइमस्केल को रगड़ने की भून न करें.

कुछ देर बाद पानी निकाल दें.

आप देखेंगे कि लाइमस्केल पूरी तरह से साफ हो चुका होगा.

अब केतली को साफ पानी से अच्छी तरह धो लें.

इसके बाद एक या दो बार पूरी केतली भर पानी उबालें और फिर पानी को फेंक दें.

ऐसा करने से गंध साफ हो जाएगी, अब केतली के ठंडा होने पर उसके तले पर उंगलियां फेरें, अगर वह आपको चिकनी महसूस हो रही है, तो मतलब साफ है लाइमस्केल पूरी तरह से हट चुका है.

केतली से लाइमस्केल हटाते समय इन बातों का रखें ध्यान

जब आप लाइमस्केल हटा रहे हैं, तो सबसे पहले इस बात का ध्यान रखें कि केतली गर्म न हो. पहले केतली को ठंडा होने दें.

लाइमस्केल हटाते समय केतली को प्लग से हटा दीजिए, वरना आपके करंट लग सकता है. प्लग से हटाने के बाद ही लाइमस्केल साफ करने की प्रक्रिया शुरू कीजिए.

लाइमस्केल हटाने की प्रक्रिया के दौरान केतली के सतह को छूने से बचें, क्योंकि यह गर्म हो सकता है और इससे आपका हाथ भी जल सकता है.

लाइमस्केल हटाने की प्रक्रिया के दौरान केतली से बच्चों को दूर रखें, ताकि किसी भी तरह की दुर्घटना से बचा जा सके और आप सुरक्षित तरीके से लाइमस्केल हटा सके.

महंगे तोहफे-खिलौनों से नहीं, इन तरीकों से बढ़ता है बच्चे का आत्मविश्वास

कई बार ऐसा होता है कि माता-पिता काम में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि उन्हें बच्चे में हो रहे बदलाव नजर ही नहीं आ पाते. वे बच्चे को प्यार जताने के लिए खिलौने देते हैं, महंगे गिफ्ट लाते हैं, पर बच्चे को चाहिए होता है पेरेंट्स का सपोर्ट. बच्चे (Children) कई नए अनुभवों से गुजर रहे होते हैं, ऐसे में पेरेंट्स अगर बच्चे को सपोर्ट करें तो उनका आत्मविश्वास बना रहता है. कुछ आसान टिप्स की मदद से बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाया जा सकता है.

बच्चे की बात सुनें

बच्चे के पास बात करने के लिए काफी कुछ होता है. वह जीवन में नए अनुभव ले रहा होता है. उसके सामने ऐसी कई परिस्थितियां आती हैं, जो उसके लिए नई हैं. इसलिए बच्चे की बात सुनना बहुत जरूरी है. इससे बच्चे को महसूस होता है कि उनकी बात को पेरेंट्स संजीदगी से लेते हैं. खास तौर पर टीनेजर बच्चों से बात करना काफी और उन्हें सही राह दिखाना बहुत आवश्यक है.

बच्चे को प्यार का एहसास कराएं

बच्चे को इस बात का एहसास होना चाहिए कि उसके पेरेंट उसे काफी प्यार करते हैं. केवल प्यार करना ही नहीं उसे जताना भी बहुत जरूरी होता है. इसलिए बच्चे को सुबह जगने पर प्यार करें, स्कूल से आने के बाद उससे बात करें, रात को साने से पहले गले लगाएं. इस तरह की छोटी-छोटी बातें बच्चे के लिए बहुत मायने रखती हैं.

बच्चे की तारीफ करें

तारीफ किसे पसंद नहीं होती. पर तारीफ तब हो जब बच्चा कुछ ऐसा करे जिस पर उसकी पीठ थपथपाई जा सके. उसकी छोटी-छोटी कोशिशों पर तारीफ करना न भूलें. इससे बच्चा अच्छा काम करने को प्रोत्साहित होता है.

बच्चे संग समय बिताएं

आजकल पेरेंट्स अपने काम में बिजी हैं और बच्चे अपनी दिनचर्या में. कई बार वर्किंग पेरेंट बच्चे संग अधिक समय नहीं बिता पाते. लेकिन बच्चों को माता-पिता का समय चाहिए होता है. इसलिए चाहे 10 मिनट ही क्यों ना हो, बच्चे के साथ आराम से बैठकर समय बिताएं और बातें करें. इससे पेरेंट्स और बच्चे का बॉन्ड बना रहता है.

क्या डायबिटीज में दूध और दही खा सकते हैं ?जानें खाने का सही तरीका, कब खाएं और कब नहीं?

आधुनिक जीवनशैली ने डायबिटीज़ को एक सामान्य लेकिन खतरनाक स्वास्थ्य समस्या बना दिया है. अब बच्चे भी डायबिटीज़ के साथ जन्म ले रहे हैं, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए गंभीर खतरे का संकेत है. सरकार लगातार जागरूकता अभियानों पर जोर दे रही है, लेकिन अभी भी अधिकतर लोग यह नहीं जानते कि डायबिटीज़ में सही आहार क्या होना चाहिए. डायबिटीज़ के मरीज दूध और दही का सेवन कर सकते हैं, लेकिन सही मात्रा, सही समय और सही प्रकार का चयन बेहद ज़रूरी है.

दूध और दही दोनों का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, इसलिए ये ब्लड शुगर को तेजी से नहीं बढ़ाते. साथ ही इनमें मौजूद प्रोटीन और कैल्शियम हड्डियों को मजबूत बनाते हैं, पाचन में सुधार करते हैं और भूख नियंत्रित करने में मदद करते हैं. यही वजह है कि ये डायबिटीज़ के मरीजों के लिए सुरक्षित और लाभकारी माने जाते हैं.

दूध किस समय लें और कितनी मात्रा पिएं

एक कप दूध का ग्लाइसेमिक इंडेक्स 30-40 के बीच होता है, जो डायबिटीज़ मरीजों के लिए उपयुक्त है.

डायबिटीज़ के मरीज दिनभर में 500 ग्राम दूध ले सकते हैं, लेकिन इसे एक बार में नहीं, बल्कि छोटे हिस्सों में बांटकर पिएं.

फुल फैट दूध से बचें और लो-फैट दूध का ही उपयोग करें.

दूध में किसी भी तरह की चीनी, शहद या मीठे पदार्थ न मिलाएँ.

यदि मीठा खाने का मन हो तो दूध के साथ प्राकृतिक रूप से पकी हुई खजूर का सेवन कर सकते हैं.

तस्वीरें सब बयां करती हैं: श्रुति

अभिनेत्री श्रुति हासन अपने शानदार अभिनय से न सिर्फ साउथ सिनेमा, बल्कि बॉलीवुड में भी राज करती हैं। उन्होंने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर एक मजेदार और नॉस्टेल्जिक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में उनके बचपन से लेकर अब तक की तस्वीरें शामिल हैं। वहीं, श्रुति ने वीडियो में लिखा, किसी लड़की के बचपन की तस्वीरों से उसके स्वभाव और व्यक्तित्व की झलक साफ दिखाई देती है। अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, मैं तो हमेशा से ही बहुत मूडी रही हूं, हाहा।श्रुति का यह पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रहा है। कई यूजर्स उनके कमेंट सेक्शन पर शानदार प्रतिक्रिया दे रहे हैं। श्रुति सिर्फ अभिनेत्री होने के साथ-साथ गायिका और संगीतकार भी हैं, जिन्होंने तमिल, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करवाई। इस बात से बहुत कम लोग वाकिफ हैं, लेकिन श्रुति ने अपने करियर की शुरुआत अभिनेत्री के रूप में नहीं, बल्कि गायिका और संगीतकार के रूप में की थी। उन्होंने महज छह साल की उम्र में ही अपने पिता की फिल्म थेवर मगन (1992) में पहला गाना गाया था। इसके बाद उन्होंने हिंदी फिल्म चाची 420 (1997) में भी गायन किया। साल 2000 में कमल हासन के निर्देशन में बनी फिल्म हे राम में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में अतिथि भूमिका निभाई और उसी फिल्म के लिए हिंदी और तमिल में टाइटल थीम रामा रामा भी गाया था।

अभिनेत्री जल्द ही फिल्म निर्देशक पवन सादिनेनी की फिल्म आकासमलो ओका तारा में नजर आएंगी। फिल्म में अभिनेत्री के साथ दुलकर सलमान और सत्विका वीरवल्ली अहम भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म को गीता आर्ट्स और स्वप्ना सिनेमा ने प्रस्तुत किया है। इसके प्रोड्यूसर संदीप गुन्नम और रम्या गुन्नम हैं। यह एक एडवेंचर-ड्रामा फिल्म है। श्रुति के जन्मदिन पर फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया गया था। फिल्म को पैन-इंडिया में रिलीज होने की उम्मीदें जताई जा रही हैं। हालांकि, अभी तक इसकी कोई साफ तौर पर पुष्टि नहीं की गई है। इसी के साथ ही श्रुति ने एसएस राजामौली की मेगा बजट फिल्म वाराणसी के लिए म्यूजिक कंपोजर एमएम कीरवानी के साथ मिलकर गाने को आवाज दी है।

उम्र का फासला दरकिनार कर जब हमसफर बने ये सेलेब्स...

वैलेंटाइन डे के मौके पर उन बॉलीवुड सेलिब्रिटी जोड़ियों की बात की करते है. जिनके बीच उम्र का अछा-खासा फासला है लेकिन उनका रिश्ता में आज भी उतना ही प्यारा और मजबूती है.

कहते हैं प्यार में उम्र नहीं देखी जाती लेकिन जब कोई मशहूर चेहरा अपने से काफी छोटे या बड़े पार्टनर के साथ शादी करता है तो चर्चा होना तय है. सोशल मीडिया से लेकर गॉसिप कॉलम तक हर जगह सवाल उठते हैं. लेकिन कई सेलिब्रिटी कपल्स ने समय के साथ ये साबित कर दिया कि असली मायने समझ भरोसे और साथ निभाने के होते हैं.

कहते हैं प्यार में उम्र मायने नहीं रखती लेकिन जब बात सेलिब्रिटीज की आती है तो लोगों की नजर सबसे पहले उम्र के फासले पर ही जाती है. बड़ी एज गैप वाली जोड़ियों पर अक्सर सवाल उठते हैं. बातें बनती हैं और सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो जाती है. लेकिन कई स्टार कपल्स ने ये साबित किया है कि रिश्ता भरोसे, समझ और साथ से चलता है ना कि उम्र से. वैलेंटाइन डे के मौके पर जानते हैं उन मशहूर जोड़ियों के बारे में जिनके बीच अछा-खासा उम्र का अंतर है फिर भी उनका प्यार पहले जैसा ही मजबूत है.

प्रियंका और निक की लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है. साल 2016 में निक ने प्रियंका को मैसेज किया था और 2017 में दोनों पहली बार वैनिटी फेयर ऑस्कर पार्टी में मिले थे. इसके बाद दोनों की नजदीकियां बढ़ीं और 2018 में जोधपुर में तीन दिन तक चली शाही शादी में हिंदू और क्रिश्चियन दोनों रीति-रिवाजों से शादी की थी.

मृणाल ठाकुर ने रिलेशनशिप को लेकर तोड़ी चुप्पी, अक्षय कुमार के गेम शो में दी अपनी सिंगल होने की अपडेट

मृणाल ने बिना झिझक के जवाब दिया,मैं अभी सिंगल हूं और मिंगल होने के लिए तैयार हूं। अक्षय ने इस पल को जाने नहीं दिया और दर्शकों में से एक आदमी को उठने के लिए कहा। उस आदमी ने तुरंत जवाब दिया कि वह शादीशुदा है। अक्षय ने उसे देखकर मजेदार जवाब देते हुए कहा, मैं मिंगल करने के लिए नहीं बुला रहा था।

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर और अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी जल्द ही रोमांटिक ड्रामा फिल्म दो दीवाने शहर में में नजर आएंगे। यह फिल्म दो ऐसे लोगों की कहानी है, जो यह सिखाती है कि हर वक्त परफेक्ट होना जरूरी नहीं है। फिल्म की टीम इन दिनों प्रमोशन के लिए कर रही है। अक्षय कुमार के गेम शो व्हील ऑफ फॉर्च्यून के आने वाले एपिसोड में फिल्म की टीम नजर आएगी, जिसमें मृणाल ठाकुर, सिद्धांत चतुर्वेदी और डायरेक्टर रवि उदयावर नजर आएंगे। इस एपिसोड में अभिनेत्री ने खुलासा किया कि वह फिलहाल किसी रिलेशनशिप में नहीं है। अक्षय कुमार इस एपिसोड में मृणाल की टांग खींचते हुए पूछते हैं, मृणाल, सोशल मीडिया पर आपके बारे में काफी चर्चा चल रही है। आपका अभी रिलेशनशिप स्टेट्स क्या है? यह सवाल सुनकर मृणाल ने बिना झिझक के जवाब दिया,मैं अभी सिंगल हूं और मिंगल होने के लिए तैयार हूं। अक्षय ने इस पल को जाने नहीं दिया और दर्शकों में से एक आदमी को उठने के लिए कहा। उस आदमी ने तुरंत जवाब दिया कि वह शादीशुदा है। अक्षय ने उसे देखकर मजेदार जवाब देते हुए कहा, मैं मिंगल करने के लिए नहीं बुला रहा था। बता दें कि कुछ समय से सोशल मीडिया पर मृणाल और साउथ एक्टर धनुष के रिश्ते और शादी के बारे में काफी अफवाहें उड़ी थीं। हालांकि, अभिनेत्री ने अपने इस जवाब से अफवाहों पर विराम लगा दिया है।

रवि उदयावर द्वारा निर्देशित, यह एक आधुनिक, यथार्थवादी प्रेम कहानी है। इस फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं में हैं। इन दोनों के अलावा फिल्म में ईला अरुण, जॉय सेनगुप्ता, आयशा रजा, विराज गेहलानी, संदीपा धर, दीपराज राणा, मोना अम्बेगांवकर, अचिंत कौर और नवीन कौशिक भी नजर आएंगे। फिल्म के कुछ गाने रिलीज हो चुके हैं, जिन्हें लोगों की तरफ से काफी प्यार मिल रहा है। वहीं, सोशल मीडिया पर भी फिल्म को लेकर काफी क्रेज देखा जा रहा है। अब देखना होगा कि फिल्म को दर्शक कितना प्यार देते हैं। संजय लीला भंसाली के भंसाली प्रोडक्शंस और जी स्टूडियोज के बैनर तले बनी रोमांटिक ड्रामा फिल्म दो दीवाने शहर में 20 फरवरी को रिलीज होगी।

'ओ रोमियो' से चमक उठे तृप्ति डिमरी

ओ रोमियो मुंबई के अंडरवर्ल्ड की पृष्ठभूमि में बदले, प्रेम और आंतरिक संघर्ष की कहानी प्रस्तुत करती है। फिल्म की रफ्तार और पटकथा कुछ जगह कमजोर पड़ती है, लेकिन शाहिद कपूर और अन्य कलाकारों का प्रभावशाली अभिनय इसे संभाल लेता है। मुंबई के अंडरवर्ल्ड पर बनी फिल्मों की अपनी एक अलग दुनिया होती है, जिसमें धुंधली गलियां, सिगरेट के धुएं में लिपटी बातचीत, और बदले की आग में सुलगते चेहरे शामिल हैं। इसी दुनिया को एक बार फिर बड़े पर्दे पर लेकर आई है रोमियो, जो मुम्बई की माफिया क्वीन्स से प्रेरित बताई जा रही है। कहानी गैंगस्टर हुसैन उस्तरा यानी शाहिद कपूर के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसके निर्देशक विशाल भारद्वाज हैं। शाहिद के अलावा, फिल्म में तृप्ति डिमरी, नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, फरीदा जलाल, तमन्ना भाटिया और विक्रांत मैसी भी हैं। शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी अभिनीत इस फिल्म की शुरुआती रफ्तार थोड़ी सुस्त है। पहले ही घंटे में कई परतें दिख जाती हैं, जिसमें किरदार, रिश्ते, राजनीति, और तीन गाने शामिल हैं। यह निर्देशक की शैली का हिस्सा है, लेकिन कहीं-कहीं यह कहानी की पकड़ को ढीला कर देता है। इंटरवल तक आते-आते साफ हो जाता है कि फिल्म अपना संसार धीरे-धीरे गढ़ना चाहती है, मगर इस प्रक्रिया में दर्शक के धैर्य को बखूबी परखा जाता है।फिल्म की पटकथा थोड़ी बिखरी लगती है, लेकिन सभी एक्टर्स का काम शानदार है। उस्तरा के किरदार में शाहिद कपूर पूरी आक्रामकता और गहराई के साथ उतरते हैं। उनकी एक्टिंग में एक तीखापन है, जैसा हमने पहले भी कुछ फिल्मों में देखा है। क्लाइमैक्स में उनका भावनात्मक पक्ष उभरकर सामने आता है, जहां बदले की आग और प्रेम की नर्मी एक साथ दिखाई देती है। नाना पाटेकर को बहुत कम स्क्रीन टाइम मिला है, लेकिन हर फ्रेम में उन्होंने कमाल का प्रभाव छोड़ा है। अफशाना उर्फ 'लेडी हिटमैन' के किरदार में तृप्ति डिमरी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराती हैं। उनका किरदार निर्दयी होने के साथ भावुक भी है। जलाल के रूप में अविनाश तिवारी ने भी बेहतर काम किया है। तमन्ना भाटिया और फरीदा जलाल ने भी कम समय में अपनी छाप छोड़ी है। लेकिन विक्रांत मैसी की विशेष उपस्थिति उम्मीद के मुताबिक असर नहीं छोड़ पाती क्योंकि दर्शक उन्हें और देखना चाहते हैं। संगीत की बात करें तो ओ रोमियो में गानों की भरमार है। 'पान की दुकान' जैसा गीत याद रह जाता है। बैकग्राउंड स्कोर नाटकीयता को बढ़ाता है, लेकिन एडिटिंग ढीली है और दृश्यों के बीच के ट्रांजिशन फिल्म की गति को प्रभावित करते हैं।

शहपुरा के पास हाईवे पर फॉर्च्यूनर पांच बार पलटी दो घायल, संकेतक और रोशनी पर उठे सवाल

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

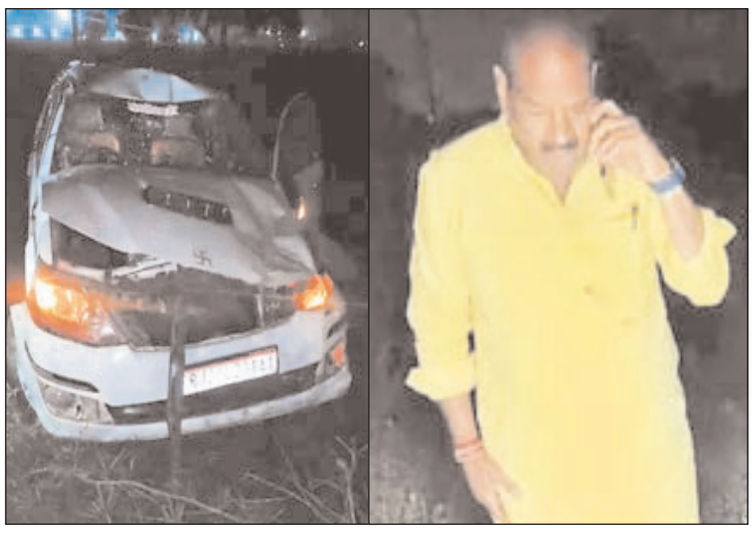

जबलपुरझभोपाल मार्ग पर शहपुरा के समीप मंगलवार देर रात हुए सड़क हादसे ने हाईवे सुरक्षा व्यवस्था पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार ब्रिज के पास बने डायवर्सन पर अनियंत्रित होकर लगभग पांच बार पलट गई। वाहन में सवार महिला सहित दो लोग घायल हो गए। गनीमत रही कि दोनों को गंभीर चोट नहीं आई और समय रहते बाहर निकाल लिया गया। घटना रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और क्षतिग्रस्त वाहन में फंसे घायलों को बाहर निकाला। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों ने वैकल्पिक वाहन से आगे की यात्रा जारी रखी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, डायवर्सन स्थल पर पर्याप्त संकेतक और प्रकाश व्यवस्था नहीं होने से चालक को मोड़ का सही अनुमान नहीं लग सका। तेज रफ्तार के कारण वाहन संतुलन खो बैठा और पलटते हुए सड़क किनारे जा गिरा। दुर्घटना के बाद कुछ समय तक मार्ग पर आवागमन प्रभावित रहा, जिसे बाद में सामान्य कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, परिवार राजस्थान के कोटा से जबलपुर की ओर आ रहा था। हादसे के बाद स्थानीय नागरिकों ने तत्परता दिखाते हुए राहत कार्य में मदद की।

सुरक्षा इंतजामों की मांग तेज

घटना के बाद क्षेत्रवासियों ने हाईवे पर बने अस्थायी डायवर्सन स्थलों पर स्पष्ट चेतावनी बोर्ड, रिफ्लेक्टर और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था किए जाने की मांग उठाई है। उनका कहना है कि पूर्व में भी यहां छोटे-बड़े हादसे हो चुके हैं। पुलिस ने घटना की सूचना दर्ज कर वाहन को हटवाया और जांच प्रारंभ कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि डायवर्सन स्थल की स्थिति का निरीक्षण कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। यह हादसा भले ही टल गया, लेकिन एक बार फिर यह संकेत दे गया कि लापरवाही और अधूरी व्यवस्थाएं किसी भी समय बड़े संकट में बदल सकती हैं।

शहर में बढ़ता कुपोषण: पोषण पुनर्वास केंद्रों में ग्रामीणों से ज्यादा शहरी बच्चे भर्ती

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

कुपोषण की बात आते ही अक्सर दूर-दराज के गांवों की तस्वीर उभरती है, लेकिन जिले की हकीकत इससे अलग है। सरकारी अस्पतालों के पोषण पुनर्वास केंद्रों में भर्ती बच्चों में बड़ी संख्या शहरों से आने वालों की है। यह स्थिति बताती है कि शहरी जीवनशैली और बदलती खान-पान की आदतें बच्चों के स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल रही हैं। जिले में संचालित नौ पोषण पुनर्वास केंद्रों में से सबसे अधिक बच्चे एल्गिन अस्पताल स्थित केंद्र में भर्ती हो रहे हैं। यहां आने वाले अधिकांश बच्चे शहरी बस्तियों और मध्यमवर्गीय परिवारों से हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में उपलब्ध तैयार पैकेट बंद खाद्य पदार्थों का बढ़ता चलन बच्चों में पोषण की कमी का प्रमुख कारण बन रहा है। पोषण पुनर्वास केंद्र से जुड़ी डाइटिशियन के अनुसार, बच्चों के दैनिक आहार में घर का संतुलित भोजन कम और त्वरित तैयार खाद्य पदार्थ अधिक शामिल हो गए हैं। इनमें आवश्यक प्रोटीन, खनिज और अन्य पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में नहीं होते। परिणामस्वरूप, बच्चों का शारीरिक विकास प्रभावित हो रहा है और कुपोषण के मामले बढ़ रहे हैं।

सरकार की बहुस्तरीय पहल

कुपोषण से निपटने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से गर्भवती महिलाओं और पांच वर्ष तक के बच्चों को प्रोटीन युक्त आहार निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों को सामान्य स्तर पर लाने के उद्देश्य से जिले में नौ पोषण पुनर्वास केंद्र संचालित किए जा रहे हैं, जहां चिकित्सकीय निगरानी में विशेष आहार और देखभाल दी जाती है।

जांच के बाद तय होता है आहार

केंद्र में भर्ती होने के बाद सबसे पहले बच्चों की विस्तृत चिकित्सकीय जांच की जाती है। इसके आधार पर उनका व्यक्तिगत आहार योजना तैयार की जाती है। शुरूआती सात दिनों तक बच्चे को विशेष रूप से तैयार दूध दिया जाता है, जो केंद्र के रसोईघर में ही बनाया जाता है। इसमें चना, मूंगफली, तिल और दूध पाउडर जैसे तत्व मिलाकर प्रोटीन, खनिज और काबोर्हाइड्रेट संतुलित किए जाते हैं। यह आहार हर दो घंटे में थोड़ी-थोड़ी मात्रा में दिया जाता है। सात दिन बाद बच्चे की स्थिति में सुधार होने पर दूसरा पोषण आहार शुरू किया जाता है, जिसे दिन में लगभग छह बार दिया जाता है। इस दौरान बच्चों के वजन, ऊंचाई और स्वास्थ्य में हो रहे सुधार की नियमित निगरानी की जाती है।

अभिभावकों को भी दी जा रही सलाह

केंद्र में भर्ती बच्चों के माता-पिता को भी संतुलित भोजन और घर में पौष्टिक आहार तैयार करने के बारे में परामर्श दिया जाता है, ताकि बच्चे दोबारा कुपोषण की स्थिति में न पहुंचें। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि शहरी परिवार समय रहते बच्चों के खान-पान पर ध्यान दें, तो कुपोषण की समस्या को काफी हद तक रोका जा सकता है। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि कुपोषण अब केवल ग्रामीण समस्या नहीं रह गई, बल्कि शहरों में भी यह गंभीर चुनौती बनकर उभर रही है।

रांझी जोन कार्यालय में टैक्स कलेक्टर 3 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार, लोकायुक्त की कार्रवाई से नगर निगम में हड़कंप

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

लोकायुक्त पुलिस जबलपुर की टीम ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए नगर निगम के रांझी जोन कार्यालय में पदस्थ टैक्स कलेक्टर (टीसी) को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। कार्रवाई की खबर फैलते ही नगर निगम कार्यालय में हड़कंप मच गया और कर्मचारियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोकायुक्त से मिली जानकारी के अनुसार लाला लाजपत राय वार्ड क्रमांक 70 में पदस्थ टैक्स कलेक्टर चन्द्रभान नोनिया को तीन हजार रुपये नगद रिश्वत लेते हुए ट्रैप किया गया।

नामांतरण के बदले मांगी थी रिश्वत

शिकायतकर्ता दीपक कुशवाहा (उम्र 30 वर्ष), निवासी रांझी बड़ा पत्थर मानेगांव, जिला जबलपुर ने लोकायुक्त में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि उसकी पत्नी के नाम नजूल का मकान है। टैक्स रसीद में पूर्व करदाता का नाम हटाकर पत्नी का नाम दर्ज कराने के एवज में आरोपी टैक्स कलेक्टर ने पांच हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। शिकायत की पुष्टि के बाद लोकायुक्त टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई की। मंगलवार 17 फरवरी 2026 को जैसे ही शिकायतकर्ता ने तय राशि में से तीन हजार रुपये आरोपी को दिए, टीम ने उसे मौके पर ही रंगे हाथ पकड़ लिया।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज

आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन 2018) की धारा 7, 13(1)(ठ) एवं 13(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस ट्रैप कार्रवाई में टीएलओ निरीक्षक उमा कुशवाह, निरीक्षक जितेन्द्र यादव और उप निरीक्षक शिशिर पांडेय सहित लोकायुक्त की विशेष टीम शामिल रही।

नगर निगम में मचा हड़कंप

कार्रवाई के बाद नगर निगम कार्यालय में कर्मचारियों के बीच चर्चा का माहौल बना रहा। लोकायुक्त की इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों में शिकायत मिलने पर इसी तरह सख्ती से कार्रवाई जारी रहेगी।

होली पर यात्रियों को राहत: पुणे–दानापुर के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन, जबलपुर होकर दोनों ओर 4–4 फेरे

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

होली के मद्देनजर ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने यात्रियों को बड़ी राहत दी है। जबलपुर मार्ग से होकर पुणे और दानापुर के बीच होली स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में 4–4 फेरे लगाएगी, जिससे अधिक से अधिक यात्रियों को कन्फर्म टिकट पर यात्रा करने का अवसर मिल सकेगा। रेलवे द्वारा जारी जानकारी के अनुसार ट्रेन क्रमांक 01481/01482 पुणेझदानापुरझपुणे स्पेशल पश्चिम मध्य रेलवे के इटारसी, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी और सतना स्टेशनों से होकर संचालित होगी। ट्रेन क्रमांक 01481 पुणेझदानापुर स्पेशल 23 एवं 27 फरवरी तथा होली के अवसर पर 2 और 6 मार्च को पुणे स्टेशन से शाम 19:55 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन अगले दिन दोपहर 15:30 बजे जबलपुर पहुंचेगी और तीसरे दिन सुबह 8:00 बजे दानापुर स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार ट्रेन क्रमांक 01482 दानापुरझपुणे स्पेशल 25 फरवरी एवं 1 मार्च तथा होली के अवसर पर 4 और 8 मार्च को दानापुर स्टेशन से सुबह 10:00 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन रात में सतना पहुंचते हुए अगले दिन रात्रि 12:20 बजे जबलपुर आएगी और उसी दिन शाम 18:15 बजे पुणे स्टेशन पहुंचेगी।

शोभापुर की पहाड़ियों पर चल रही मशीनें: अवैध कटाई, प्लॉटिंग के आरोपों से मचा हड़कंप; प्रशासन की भूमिका पर उठे गंभीर सवाल

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

संस्कारधानी के मध्य स्थित शोभापुर क्षेत्र इन दिनों भारी मशीनों की गड़गड़ाहट से गूंज रहा है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि यहां प्राकृतिक पहाड़ियों को जेसीबी और पोकलेन मशीनों से काटकर तेजी से समतल किया जा रहा है। दिन-दहाड़े और देर रात तक चल रही इस गतिविधि ने क्षेत्र में गहरी चिंता पैदा कर दी है। लोगों का कहना है कि पहाड़ों से निकाली जा रही मिट्टी और पत्थरों को ट्रैक्टर-डंपरों के जरिए बाहर ले जाया जा रहा है और बेचा भी जा रहा है। सबसे बड़ा प्रश्न यह खड़ा हो रहा है कि आखिर यह सब किसकी अनुमति से हो रहा है? यदि खनन, पहाड़ कटाई या भू-समतलीकरण की वैधानिक अनुमति ली गई है तो संबंधित विभागों को सार्वजनिक रूप से दस्तावेज प्रस्तुत करने चाहिए। अन्यथा यह मामला सीधे तौर पर अवैध खनन, पर्यावरणीय नियमों के उल्लंघन और नगर नियोजन कानूनों की अनदेखी से जुड़ा प्रतीत होता है।

प्लॉटिंग की तैयारी का आरोप

क्षेत्रवासियों का आरोप है कि पहाड़ियों को काटकर जमीन समतल की जा रही है और वहां प्लॉटिंग की तैयारी चल रही है। कुछ स्थानों पर जमीनों की खरीदी-बिक्री की चर्चाएं भी सामने आ रही हैं। लोगों का कहना है कि खुलेआम गतिविधियां चल रही हैं, लेकिन शासन-प्रशासन का कोई भय दिखाई नहीं दे रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, भारी-भरकम मशीनें 24 घंटे काम कर रही हैं। धूल के गुबार से आसपास के रहवासी परेशान हैं। यदि यही स्थिति रही तो क्षेत्र का प्राकृतिक स्वरूप पूरी तरह बदल जाएगा।

पर्यावरण संतुलन पर गंभीर असर

विशेषज्ञों का मानना है कि पहाड़ केवल मिट्टी और पत्थर का ढेर नहीं होते, बल्कि वे शहर के पर्यावरण संतुलन के महत्वपूर्ण स्तंभ होते हैं। पहाड़ वर्षा जल के संरक्षण, भू-जल स्तर को बनाए रखने और हरित आवरण को सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। इनके अंधाधुंध कटाव से भविष्य में जल संकट, तापमान वृद्धि और भू-स्खलन जैसी समस्याएं खड़ी हो सकती हैं। यदि बिना पर्यावरणीय स्वीकृति और खनिज विभाग की अनुमति के यह कार्य किया जा रहा है तो यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के हितों के साथ भी खिलवाड़ है।

शिकायतें, लेकिन कार्रवाई का इंतजार

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस मामले की शिकायत एसडीएम अधारताल, तहसील कार्यालय और राजस्व अमले तक पहुंचाई जा चुकी है। बावजूद इसके अब तक किसी प्रकार की सख्त कार्रवाई सामने नहीं आई। प्रशासन की चुप्पी को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। कुछ लोग इसे संभावित संरक्षण या मिलीभगत का संकेत मान रहे हैं।

जनता ने दी आंदोलन की चेतावनी

क्षेत्रवासियों ने स्पष्ट कहा है कि यदि जल्द ही जांच कर अवैध गतिविधियों पर रोक नहीं लगाई गई तो वे उच्च अधिकारियों से शिकायत कर आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। उनका कहना है कि प्राकृतिक धरोहरों की रक्षा प्रशासन की जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। अब देखना यह है कि प्रशासन इस पूरे प्रकरण में क्या रुख अपनाता है। क्या जांच कर सच्चाई सामने लाई जाएगी, या फिर मशीनों की आवाज के बीच पहाड़ खामोशी से गायब होते रहेंगे?

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ. राजेश जायसवाल के लिए, मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे एम.आर.-4 रोड उखरी जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित और कल्चुरी भवन हाउस नं. 3367/1, विवेक नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक : डॉ.राजेश जायसवाल* सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के जिम्मेदार। आरएनआई नं. MPHIN/2014/60079 मो. 9425154229, फोन-0761-4085321 e-mail: tripuritimes@gmail.com